संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 315
पृष्ठ 8
बुधवार
06 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मिनटों में पाएं ग्लोइंग स्किन...

विचार- स्त्रियों की राष्ट्र निर्माण में भूमिका...

खेल- इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक...

सीएम योगी ने अलीगढ़ में 186 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास, कहा-

स्वदेशी को बनाएं अपने जीवन का हिस्सा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को अपनाने का आह्वान करते हुए मंगलवार को दावा किया कि दूसरे देशों में निर्मित सामान खरीदने पर 'विदेशी हाथोंश में जाने वाले मुनाफे का इस्तेमाल भारत में आतंकवाद, नक्सलवाद, ध र्मांतरण और लव जिहाद फैलाने के लिए किया जाता है। अलीगढ़ में 958 करोड़ रुपए की 186 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद मुख्यमंत्री ने अपने संबोध ान में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का पुरजोर आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमारा पैसा अगर हमारे ही कारीगरों और हस्तशिल्पियों के पास जाएगा तो यह विकास और समृद्धि का आधार बनेगा, लेकिन अगर

विदेशी हाथों में जाने वाले मुनाफे का आतंकवाद और धर्मांतरण के लिए होता है इस्तेमाल : योगी

हमारा ही पैसा विदेशी हाथों में जाएगा तो याद रखना, वह मुनाफा आतंकवाद के रूप में, ध र्मांतरण के रूप में, विस्फोट के रूप में भारत को अस्थिर करने के लिए भारत के खिलाफ ही इस्तेमाल किया जाएगा। इसलिए स्वदेशी आज की आवश्यकता है। अमेरिका द्वारा भारत पर भारी टैरिफ लगाने के ऐलान के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गत दो अगस्त को वाराणसी में स्वदेशी अपनाने के आह्वान के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बयान दिया है। आदित्यनाथ ने कहा, याद रखना, वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में जब कोई पर्व और त्यौहार आता था तो उससे पहले प्रदेश में चीन के सामान छा जाया करते थे लेकिन 2018 के बाद जब 'एक जिला–एक उत्पादश की योजना को हम लोगों ने लागू किया तो हमारे कारीगरों ने बाजार की मांग के अनुसार आइटम बनाने शुरू किये। उन्होंने किसी देश का नाम लिये बगैर कहा, मुनाफा विदेशी हाथों में चला जाएगा तो आतंकवाद को, नक्सलवाद को, धर्मांतरण को, लव जिहाद को यह पैसा उपलब्ध करवा कर हमारा ही पैसा हमारे खिलाफ कैसे इस्तेमाल होता है, इसका नजारा हम लोगों ने आजादी के पहले भी देखा है और उसके बाद भी लगातार देख रहे हैं। योगी ने कहा, ''इसलिए प्रधानमंत्री ने जो स्वदेशी का आह्वान किया है, हमारा प्रयास होना चाहिए कि चाहे दैनिक जीवन हो या पर्व अथवा त्यौहार हो, हम स्वदेशी को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।श्श मुख्यमंत्री ने कहा, स्वदेशी कभी देश के अंदर भारत की स्वाधीनता का आधार बना था। स्वदेशी को लेकर कभी लोगों ने बापू (महात्मा गांधी) के सपने को साकार करने के लिए उनके आह्वान पर देश के अंदर अलग–अलग आंदोलन प्रारंभ किए थे। आज हमारी आवश्यकता है कि हम नौ अगस्त को रक्षाबंधन, 16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और उसके बाद दो अक्टूबर को विजयादशमी और फिर दीपावली व अन्य त्यौहारों पर स्वदेशी उत्पादों को अपनाएं।

उत्तरकाशी के बादल फटा, अचानक आई बाढ़ से 4 की मौत

कई घर तबाह, अमित शाह ने पुष्कर धामी से की बात

उत्तरकाशी, एजेंसी। मंगलवार को उत्तराखंड के उत्तरकाशी ज़िले के धराली गॉव में अचानक आई बाढ़ ने कई घर तबाह कर दिए और लोगों के घायल होने की आशंका बढ़ गई। बाढ़ के पानी की तेज़ लहरों ने घरों को निगल लिया और लोगों के चीखने–चिल्लाने के भयावह वीडियो ऑनलाइन सामने आए। अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि मंगलवार को उत्तराखंड के उत्तरकाशी के धराली के ऊंचाई वाले गांवों में बड़े पैमाने पर बादल फटने से आई अचानक बाढ़ में कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बचाव अभियान के आदेश दे दिए गए हैं। भारतीय सेना को भी बचाव

अभियान में शामिल किया गया है। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, ष्मुझे उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने की घटना की सूचना मिली है... हम लोगों को बचाने के लिए काम कर रहे हैं। ज़िला प्रशासन, भारतीय सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के अधिकारी लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया, खिर गंगा नदी में बढ़ते जलस्तर के कारण धराली बाज़ार क्षेत्र में नुकसान हुआ है। हर्षिल से सेना की टुकड़ियों के साथ–साथ पुलिस और एसडीआरएफ की टीमों को भटवारी भेजा गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, धराली (उत्तरकाशी) में अचानक आई बाढ़ की घटना के बारे में जानकारी जुटाने के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से बात की। आईटीबीपी की तीन टीमें वहाँ भेजी गई हैं, और एनडीआरएफ की चार टीमें भी घटनास्थल पर भेजी गई हैं, जो जल्द ही पहुँचकर बचाव अभियान में लग जाएँगी।

मुर्मु ने मार्कोस जूनियर का किया राष्ट्रपति भवन में स्वागत

नयी दिल्ली, एजेंसी। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर का मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में स्वागत किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेहमान राष्ट्रपति का राष्ट्रपति भवन प्रांगण में गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्होंने तीन सेनाओं की सलामी गारद का निरीक्षण किया। श्री मार्कोस जूनियर चार से आठ अगस्त तक

भारत की यात्रा पर हैं। आज औपचारिक स्वागत के बाद श्री मार्कोस जूनियर का गांधी समाधि स्थल राजघाट पर जाने का कार्यक्रम है, जहां वह राष्ट्रपिता को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। फिलीपींस के राष्ट्रपति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत करेंगे। उनकी इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच सागर क्षेत्र में सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के कई करार किये जाने की संभावना है। श्री मार्कोस जूनियर अपनी पहली भारत यात्रा के दौरान सात अगस्त को बेंगलुरु जाएंगे।

जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की याचिका पर सुनवाई आठ अगस्त को

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का केंद्र को निर्देश देने की मांग संबंधी याचिका पर आठ अगस्त को सुनवाई की जायेगी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन की ओर से याचिका पर सुनवाई के अनुरोध पर कहा कि इस मामले में आठ अगस्त को सुनवाई की जाएगी।

उन्होंने 'विशेष उल्लेख' करते हुए कहा कि यह मामला आठ अगस्त को सूचीबद्ध दिखाया गया है। उस दिन की सूची से इसे न हटाया जाए। मुख्य न्यायाधीश ने उनके अनुरोध स्वीकार कर लिया और कहा कि यह मामला सूची से नहीं हटाया जाएगा। यह याचिका कॉलेज शिक्षक जहूर अहमद भट और सामाजिक कार्यकर्ता खुर्शीद अहमद मलिक ने दायर की थी। उन्होंने अपनी याचिका में केंद्र सरकार के शीर्ष अदालत के समक्ष किए गए वादे का जिक्र करते हुए गया है कि यह आवश्यक हो जाता है कि जम्मू–कश्मीर के राज्य के दर्जे को जल्द से जल्द समयबद्ध तरीके से बहाल करने के लिए उचित निर्देश पारित किए जाएं। याचिका में कहा गया है कि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के आश्वासन के बावजूद केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 मामले में फैसले के बाद के वर्षों में इस संबंध में कोई कदम नहीं उठाया है। यह आवेदन अधिवक्ता सोयब कुरैशी के माध्यम से जम्मू–कश्मीर के विशेष दर्जे से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से संबंधित निस्तारित मामले में दायर किया गया था। इसमें कहा गया है, "ग्यारह दिसंबर–2023 को फैसले की तिथि से जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है, जो यहां के निवासियों के अधिकारों को गंभीर रूप से प्रभावित करने के साथ ही संघवाद के मूल ढांचे का भी उल्लंघन कर रहा है।"

राहुल के खिलाफ न्यायालय की टिप्पणी सबके लिए सबक : रिजिजू

नयी दिल्ली, एजेंसी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि सर्वोच्च अदालत की ओर से लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बारे में जो टिप्पणी की गयी है वह सबके लिए सबक है। श्री रिजिजू ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री गांधी ने सुरक्षा और सीमा को लेकर जो गलत बयान दिये हैं उस पर उच्चतम न्यायालय में जो कड़ी टिप्पणी की है उसका उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की बैठक में सदस्यों से कहा कि गलत बात बोलने पर न्यायालय भी चुपचाप नहीं बैठेगा। उन्होंने कहा कि यह सबके लिए एक सबक है कि आप एक जिम्मेदार नागरिक हैं और कुछ भी अनाप–शनाप बोलकर बच नहीं सकते। न्यायालय ने श्री गांधी को लेकर टिप्पणी के साथ जो हिदायत दी है उससे न केवल विपक्ष के नेता बल्कि सभी को सबक लेना चाहिए कि एक भारतीय को देश के खिलाफ बयान नहीं देना चाहिए।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि पहले भी कांग्रेस ने न्यायपालिका का अपमान किया है और अब भी कर रही है। कांग्रेस संविधान को हाथ में पकड़ने का नाटक करती है और संविधान को ही नहीं मानती है। कांग्रेस पार्टी देश से भी ऊपर एक परिवार को मानती है। उन्होंने बताया कि राजग की बैठक में आपरेशन सिंदूर और आपरेशन महादेव की सफलता की सराहना की गयी और इसके लिए सुरक्षा बलों को बधाई दी गयी। श्री रिजिजू ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के उस आरोप को भी बेबुनियाद बताया जिसमें कहा गया है कि सदन के अन्दर सुरक्षा बलों को बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि सदन में मार्शल के अलावा कोई दूसरा प्रवेश नहीं कर सकता है। विपक्ष का आरोप बेबुनियाद है कि पुलिस को सदन में लाया गया। उन्होंने कहा कि संसद सत्र को शुरु हुए तीन सप्ताह हो गये हैं लेकिन विपक्ष विधेयकों को पारित नहीं होने दे रहा है। हमने निर्णय किया और विपक्ष से भी आग्रह किया है कि आज सदन में विधेयक पारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह बार बार विपक्षी दलों से आग्रह कर रहे हैं कि सदन को चलाने में बाधा उत्पन्न न करें। सदन का समय बर्बाद करके करोड़ों का नुकसान होता है। उन्होंने उम्मीद जतायी है कि विपक्ष सदन को सुचारू रूप से चलाने में मदद करेंगा।

संसद भवन परिसर में मोदी की अध्यक्षता में राजग संसदीय दल की बैठक

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संसदीय दल की बैठक मंगलवार को सुबह संसद भवन परिसर में हुयी। जीएमसी बालयोगी सभागार में आयोजित यह बैठक मानसून सत्र में सत्तारूढ़ गठबंधन के संसदीय दल की पहली बैठक है। इसे मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण और अन्य मुद्दों पर संसद में चल रहे गतिरोध के साथ–साथ उपराष्ट्रपति पद के चुनाव की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और आतंकवाद के खिलाफ भारत के सख्त रवैया के लिए प्रधानमंत्री का अभिनंदन भी किया जा सकता है। प्रधानमंत्री अपने संबोधन में वैश्विक भू राजनीतिक स्थिति पर भी गठबंधन के सांसदों को संबोधित कर सकते हैं। इसमें अमेरिका की व्यापार नीति पर भारत का दृष्टिकोण भी शामिल हो सकता है। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर दोनों सदनों में विपक्ष के हंगामे के कारण कामकाज नहीं हो रहा पा रहा है।

सरकार जवाब नहीं देती तो अपनाने पड़ते हैं हथकंडे : प्रियंका

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम अत्यंत चिंताजनक है और इस पर संसद में चर्चा कराने की मांग करते हुए सरकार से सवाल पूछे जा रहे हैं लेकिन सरकार जवाब देने को तैयार नहीं है, इसलिए हथकंडे अपनाने पड़ रहे हैं। अत्यंत श्रीमती वाड्रा ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों के सवाल पर कहा कि सरकार को संसद में जवाब देना चाहिए। विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी सवाल पूछना है और सरकार की जिम्मेदार सवालों का जवाब देना है लेकिन मोदी सरकार जवाब ही नहीं देती है। सरकार को बताना चाहिए कि वह

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर संसद में चर्चा कराने से क्यों भाग रही है। उन्होंने कहा "कौन सच्चा भारतीय है और कौन नहीं– यह तय करना न्यायपालिका या किसी जस्टिस का काम नहीं है। मैं ये बात न्यायपालिका का पूरा सम्मान करते हुए कह रही हूं। राहुल गांधी जी ने हमेशा सेना और हमारे जवानों का सम्मान किया है। वे हमेशा सेना के प्रति आदर रखते हैं। नेता विपक्ष के तौर पर सरकार से सवाल पूछना उनकी जिम्मेदारी है, लेकिन जब सरकार जवाब देना नहीं चाहती, तब वो ऐसे हथकंडे अपनाती है।" कांग्रेस सांसद ने संसद में कामकाज नहीं होने को लेकर सरकार से सवाल किया कि क्या सरकार इतनी कमज़ोर है कि संसद भी नहीं चला सकती। आखिर सरकार सूची पुनरीक्षण पर चर्चा क्यों नहीं करा रही, जब पूरा विपक्ष संसद में चर्चा की मांग कर रहा है। इस बीच पार्टी सांसद जयराम रमेश ने बताया "इंडिया गठबंधन के नेताओं ने स्पीकर को पत्र लिखा है। हमने देखा है कि लगातार वोट चोरी हो रही है, इसलिए हमने इस पर चिंता जताई है। इसकी शुरुआत अभी बिहार में हुई है, फिर देशभर में यही होगा। अगर चुने हुए प्रतिनिधि लोकसभा में चुनावों पर चर्चा नहीं कर सकते, तो लोकतंत्र का इससे बड़ा अपमान और क्या हो सकता है। हमारी मांग है कि मतदाता सूची पुनरीक्षण पर लोकसभा और राज्यसभा में चर्चा हो।"

संसद में मिलकर उठाएंगे जनता के मुद्दे : राहुल गांधी

नयी दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि मंगलवार को विपक्षी इंडिया गठबंधन के दलों के नेताओं की संसद भवन परिसर में बैठक हुई जिसमें

मिलकर जनता के मुद्दों को उठाने पर चर्चा की गयी। बैठक में एक न्यायाधीश की श्री गांधी पर की गई टिप्पणी पर भी चर्चा हुई। बैठक में सीमाओं की रक्षा का मामला भी उठा और कहा गया कि सरकार देश की सीमाओं को सुरक्षित करने में विफल रही है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया फेसबुक पोस्ट में यह जानकारी देते हुए कहा ष्आज संसद में कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी की मौजूदगी में इंडिया गठबंधन के फ्लोर लीडर्स की बैठक में शामिल हुआ। हम मिलकर जनता के हक़ और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सदन में आवाज़ उठाते रहेंगे।ष इस बीच कांग्रेस पार्टी ने बैठक में उठाये गये मुद्दों की जानकारी दी।

फिलीपींस के साथ संबंधों की 75वीं वर्षगांठ

द्विपक्षीय सहयोग को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर बनी सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड रोमुअलडेज़ मार्कोस जूनियर की यात्रा पर सचिव (पूर्व) पी. कुमारन ने कहा कि यह यात्रा कल शुरू हुई और 8 अगस्त तक चलेगी। राष्ट्रपति मार्कोस की आधिकारिक तौर से यह पहली भारत यात्रा है। यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 1949 में फिलीपींस के साथ राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। इस यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मार्कोस दोनों ने भारत–फिलीपींस द्विपक्षीय सहयोग को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति

व्यक्त की है, जिसका उद्देश्य राजनीतिक सहयोग, रक्षा, सुरक्षा और समुद्री सहयोग, व्यापार और निवेश सहयोग, स्वास्थ्य सेवा और फार्मा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कनेक्टिविटी, डिजिटल अर्थव्यवस्था, फिनटेक, कांसुलर मामलों, संस्कृति, पर्यटन, लोगों के बीच संबंधों और पारस्परिक हित के क्षेत्रीय, बहुपक्षीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर घनिष्ठ सहयोग सहित कई क्षेत्रों में हमारे संबंधों को आगे बढ़ाना है। विदेश सचिव (पूर्व) पी कुमारन ने कहा दिल्ली पहुंचने पर आज सुबह राष्ट्रपति भवन में उनका औपचारिक स्वागत किया गया। इसके बाद राजघाट का दौरा किया गया, जहाँ राष्ट्रपति ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद राष्ट्रपति मार्कोस ने प्रधानमंत्री के साथ व्यापक और उत्पादक द्विपक्षीय वार्ता की, शुरुआत में प्रतिबंधित प्रारूप में और फिर पूर्ण प्रतिनिधिमंडल प्रारूप में। प्रधानमंत्री ने उनके लिए दोपहर के भोजन का भी आयोजन किया। राष्ट्रपति मुर्मू भी राष्ट्रपति मार्कोस के सम्मान में एक भोज का आयोजन करेंगे, जिसका आयोजन भी कल किया गया था। यह यात्रा कल शुरू हुई और 8 अगस्त तक चलेगी।

इविवि: पीजी में 70 से 80 फीसदी सीटें फुल

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में परास्नातक दाखिला प्रक्रिया अंतिम दौर में है। प्रवेश प्रकोष्ठ से जुड़े लोगों ने बताया कि पीजी के अधिकांश विषयों में 70 से 80 फीसदी सीटें फुल हो गई हैं। स्पोर्ट, दिव्यांग और पाल्य कोटे की सीटों पर

प्रवेश होना है। वहीं बीवोक में दाखिले के लिए कटऑफ जारी कर दिया है। इसमें अनारक्षित 434.03, ओबीसी 383.35, ईडब्ल्यूएस 417.35, एससी 389.80, एवं एसटी 349 या इससे अधिक अंक वाले को प्रवेश के लिए कॉल किया गया है। बीकॉम में अनारक्षित 443–456, एससी का 346 और एसटी का 302 या इससे अधिक अंक है। प्रवेश पांच से सात अगस्त तक होंगे।

शोध में योगदान देने वाले शिक्षक सम्मानित

प्रयागराज। उत्थान शम्भूनाथ इन्स्टीट्यूशन्स में शोध एवं विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सभी शिक्षकों के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में इंजीनियरिंग, मैनेजमेन्ट, लॉ, फार्मेसी, एजुकेशन एवं हेल्थ केयर नर्सिंग क्षेत्र में कार्यरत 40 शोधार्थी शिक्षकों ने अपने रिसर्च पेपर, पेटेन्ट और प्रकाशित पुस्तकों की संक्षिप्त जानकारी साझा की। संस्थान के सचिव कौशल कुमार तिवारी ने शोध एंव विकास के लिए हर सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया। संस्थान के प्रबंध निदेशक अभिषेक तिवारी ने शोधरत शिक्षकों के अप्रतिम योगदान के लिए भूरि भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डॉ. आरके सिंह, निदेशक (शोध एंव विकास) प्रो. जेपी मिश्र आदि मौजूद रहे।

मंडल में 50 लाख लोग हुए 'आयुष्मान

प्रयागराज। आयुष्मान के तहत गंभीर बीमारियों के इलाज में प्रति परिवार प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक के इलाज की निरूशुल्क सुविधा मिलती है। अपर निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. राकेश शर्मा के अनुसार मंडल में 50,05 लाख लोगों को आयुष्मान का लाभ मिल रहा है। इलाज के मद में अस्पतालों को अब तक 206.50 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। 2,94,410 लोग आयुष्मान के तहत इलाज करा चुके हैं। मंडल में सबसे अधिक लाभार्थियों की संख्या प्रयागराज में 18,91,410 है। वहीं प्रतापगढ़ में 12,35,285, फतेहपुर में 11,87,538 और कौशाम्बी में 6,91,084 लाभार्थी आयुष्मान का लाभ उठा रहे हैं। इस योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों के गोल्डन कार्ड बनाए जा रहे हैं। अपर निदेशक के अनुसार सरकारी अस्पतालों, आशा कार्यकत्री, आयुष्मान मित्र व पंचायत सहायक की

बारिश से एसआरएन में सड़क क्षतिग्रस्त, मरीजों को परेशानी

प्रयागराज। सावन की झमाझम बारिश के चलते एसआरएन अस्पताल में सड़कों की दशा और खराब हो गयी है। अस्पताल के प्रवेश द्वार से लेकर हृदय रोग विभाग व पीएमएसएसवाई बिल्डिंग से लेकर जन औषधि केंद्र तक मरीजों को स्ट्रेचर व व्हील चेयर पर लाना व ले जाना मुश्किल हो गया है। अस्पताल

परिसर में बनी लगभग 200 मीटर की सड़क पर 100 से अधिक गड्ढे मरीजों के लिए मुसीबत बने हुए हैं। वहीं साइकिल स्टैंड से लेकर पोस्टमार्टम हाउस तक बन रही सड़क पर गिट्टी डालकर छोड़ दिया गया है, जिससे परेशानी बढ़ गयी है। भूमिगत केबल बिछाने के लिए खोदी गयी सड़क को भी समतल नहीं किया गया है, जो मरीजों की पीड़ा को अधिक बढ़ा देती है। तीमारदारों व मरीजों का कहना है कि अस्पताल की सड़क गांव की पगडंडी से भी बदतर है। मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी ट्रामा सेंटर पहुंचने में होती है, क्योंकि गड्ढे अधिक होने से स्ट्रेचर असंतुलित होकर पलट भी जाता है। वहीं ट्रामा सेंटर से जांच व भर्ती के लिए हृदय रोग विभाग, पुरानी बिल्डिंग व पीएमएसएसवाई बिल्डिंग तक आने, जाने वाले मरीजों को परेशानी उठानी पड़ती है।

श्लोकपाठ प्रतियोगिता में शिवांजलि अव्वल

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में संस्कृत सप्ताह महोत्सव का सोमवार से शुरू हो गया। विभागाध्यक्ष प्रो. प्रयाग नारायण मिश्र ने संस्कृत को प्राचीन ज्ञान–विज्ञान से समाहित भाषा बताते हुए कहा कि यह आज भी समाज का मार्गदर्शन करती है। प्रो. अनिल प्रताप गिरि ने संस्कृत को आचरण में लाने पर बल दिया। श्लोक पाठ प्रतियोगिता आयोजित में शिवांजलि ने प्रथम, प्रशांत कुमार ने द्वितीय और शुभि मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शिवानंद दुबे, आयुषी और अभय को सांत्वना पुरस्कार मिला। इस अवसर पर डॉ. निरुपमा त्रिपाठी, डॉ. लेख राम दन्नाना, डॉ. विकास शर्मा आदि मौजूद रहे।

बाढ़ ग्रस्त मोहल्लों में मच्छरों ने किया सबसे अधिक परेशान

प्रयागराज। बाढ़ के कारण बिजली कटौती से परेशान लोगों को सबसे अधिक दिक्कत मच्छरों से हो रही है। सलोरी के अजय, मयंक, अनिरुद्ध ने बताया कि यहां पर मच्छरों का प्रकोप बहुत अधिक बढ़ गया है। जिसके कारण रात गुजारना मुश्किल हो रहा है। वहीं नाले के पानी के बैक फ्लो के कारण दुर्गंध के कारण यहां रहना मुश्किल हो रहा है। ऊंचवागढ़ी के रामेंद्र, विनोद ने भी इसी समस्या को उठाया। उनका कहना है कि जहां पर पानी जमा है, वहां पड़े मच्छर को देखकर ही आप यह अंदाजा लगा सकते हैं।

आजादी की रौशनी देने वाले प्रशासनिक उपेक्षा से अपने ही गांव में गुमनाम हो गए

प्रयागराज। प्रतापपुर खून से सींचा था जिन वीरों ने आजादी का चमन/ उनके कुर्बानी की खुशबू हर फूल में बाकी है ... जब इतिहास आज़ादी की लड़ाई के पन्ने पलटता है, तो वह केवल बड़े नाम नहीं खोजता, वह उन गुमनाम दियों की लौ भी पहचानता है, जिन्होंने अपने जीवन की शांति जलाकर भारत को स्वाधीनता की रौशनी दी। भारत की स्वतंत्रता का इतिहास केवल दिल्ली, मुंबई या कोलकाता के आंदोलनों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसकी असली धड़कन गांवों, कस्बों और अंचलों की माटी में गूंजती रही है। ऐसे ही एक गर्वित क्षेत्र विकास खंड प्रतापपुर का है जहां के सोलह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आज भी अपने बलिदान और संघर्ष से इतिहास में अमिट हैं।

ब्लॉक के सेनानियों की सूची में पत्थर के शिलापट्ट पर इनके नाम खुदे हैं ये वो वीर हैं जिनके त्याग की गहराई उस स्याही से कहीं अधिक है। इन्हीं में से एक नाम हसनपुर (सिंधौरा– सोरों) के मोतीलाल पुत्र प्रयाग का भी है जिनका नाम आज भी गांव के बुजुर्गों की आंखों में गर्व और श्रद्धा की चमक पैदा कर देता है। इनमें से कई सेनानी 1930 के नमक सत्याग्रह, 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन और स्थानीय किसान आंदोलनों में भाग लेने, नमक बनाने, विदेशी वस्त्रों की होली जलाने, तिरंगा फहराने व ग्रामीण आंदोलनों में नेतृत्व के कारण जेल गए, अत्याचार सहे, पर कभी झुके नहीं। इस बात का लोगों को मलाल भी है कि देश के नाम पर अपना सबकुछ दांव पर लगाने वालों के नाम पर गांव में एक स्मारक भी नहीं बन सका। स्वतंत्रता आंदोलन में अपूर्व योगदान देने वाले मोती लाल अपने ही गांव में गुमनाम हो गए। प्रशासनिक उपेक्षा के कारण लोग उन्हे भूल गए है। मोतीलाल कोई सैनिक नहीं थे, न ही उनके पास कोई औपचारिक पद था। लेकिन उनके भीतर जल रहा था एक ऐसा दीपक, जो ब्रिटिश हुकूमत की अंधेरी कोठरी में भी आजादी की रोशनी बांट रहा था। उन्होंने अत्याचारों का सामना किया, जेल यात्राएं की, सामाजिक बहिष्कार सहे, फिर भी न उनका मन डिगा, न उनके पांव रुके। आज जब हम तिरंगे को सलामी देते हैं, तब वह सलामी मोतीलाल जैसे परवानों को भी जाती है, जिनका नाम शायद किताबों में कम मिले, पर जिनकी कुर्बानी भारत की आत्मा में बस चुकी है। भारत की स्वतंत्रता कोई आकस्मिक घटना

नहीं थी, यह एक लंबा संघर्ष था संघर्ष उन परवानों का, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर गुलामी की जंजीरों को तोड़ा। ये वो वीर थे, जिनके पास न संसाधन थे, न हथियार, पर आत्मबल और राष्ट्रभक्ति की ऐसी ज्वाला थी, जिसने साम्राज्यवादी ताकतों को झुका दिया। इनमें से बहुतों के नाम इतिहास की पुस्तकों में नहीं हैं, पर उनकी कुर्बानी भारत की मिट्टी में गुंथी हुई है। यहां के गांवो से अनेक साधारण दिखने वाले असाधारण लोग उठे, जिन्होंने 'वंदे मातरम् 'भारत माता की जय के उद्घोष के साथ हर यातना को सहा। सेनानियों ने स्वतंत्रता की उस मशाल को थामा, जिसकी लौ आज भी हमारी चेतना को आलोकित करती है। प्रतापपुर विकास खंड के सिंधौरा ग्राम पंचायत के हसनपुर निवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोतीलाल यादव के परिजनों और गांव वालों को गर्व है कि उनके पूर्वज देश के काम आए। इस बात का मलाल भी है कि देश के नाम पर अपना सबकुछ न्योछावर करने वालों के नाम पर गांव में एक स्मारक भी नहीं बन सका। स्वतंत्रता आंदोलन में अपूर्व योगदान देने वाले मोती लाल अपने ही गांव मे गुमनाम हो गए। प्रशासनिक उपेक्षा के कारण लोग उन्हे भूल गए है। उन्होंने महात्मा गांधी के आह्वान पर सत्याग्रह में हिस्सा लिया। इसके कारण उन्हें दो बार जेल भी जाना पड़ा। मोतीलाल यादव का जन्म बेहद गरीब परिवार में हुआ। उनके पौत्र जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि 32 वर्ष की अवस्था में उन्हें जेल जाना पड़ा, इसके बाद पत्नी सुखराजी ने बहुत संघर्षों से बच्चों का पालन पोषण किया। 1930 में गांधी जी से प्रेरित होकर सत्याग्रह आंदोलन में कूद पड़े। पांच नवंबर 1930 को अंग्रेजी हुकूमत ने गिरफ्तार कर इन्हें इलाहाबाद जेल भेज दिया। इसके बाद लखनऊ जेल में शिफ्ट कर दिया गया। छह महीने बाद अंग्रेजों को गांधी जी से समझौते के बाद इन्हें रिहा कर दिया गया लेकिन 12 फरवरी 1932 को ब्रिटिश हुकूमत ने पुनरू गिरफ्तार कर लिया। इलाहाबाद से लखनऊ जेल भेजा फिर पुनरू जौनपुर के जिला जेल भेज दिया। 13 जुलाई 1932 को फिर रिहा कर दिए गए। प्रतापपुर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संघर्ष की संक्षिप्त गाथा 1930 में भारत की आजादी के संघर्ष में नमक सत्याग्रह या दांडी यात्रा प्रमुख आंदोलन था, जिसे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का एक ऐतिहासिक मोड़ माना जाता है। इसकी शुरुआत 12 मार्च 1930 को महात्मा गांधी के नेतृत्व में साबरमती आश्रम (अहमदाबाद) से दांडी (गुजरात) तक ब्रिटिश सरकार द्वारा नमक पर लगाए गए कर का विरोध में शुरु की गई। जिसे छह अप्रैल 1930 को गांधीजी ने डांडी पहुंचकर नमक बनाकर कानून तोड़ा। ब्रिटिश सरकार के अन्य अन्यायपूर्ण कानूनों का भी विरोध किया गया। यह आंदोलन 1934 तक चला और देशभर में फैला। इस आंदोलन ने भारतीय जनता में जागरूकता और राजनीतिक चेतना को बढ़ावा दिया। प्रयागराज (तत्कालीन इलाहाबाद) 1930 के नमक सत्याग्रह और सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान एक महत्वपूर्ण केंद्र था। यहां कई प्रमुख नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों ने ब्रिटिश सरकार के कानूनों के खिलाफ आवाज उठाई। अनेक स्थानों पर सत्याग्रहियों ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई, शराब की दुकानों पर धरना दिया और करों का बहिष्कार किया। नमक कानून का उल्लंघन कर नमक बनाया और बेचा। इन आंदोलनो में सक्रिय भागीदारी के कारण सेनानी कई बार जेल गए। पुलिस ने आंदोलनकारियों पर लाठीचार्ज भी किया। स्थानीय आंदोलनकारियों ने विदेशी कपड़ों की होली जलाने, शराब की दुकानों पर धरना देने, तिरंगा फहराने और नमक कानूनों का उल्लंघन करने जैसे कार्यों में भाग लिया जिसके कारण उन्हें गिरफ्तार होना पड़ा और जेल यात्रा करनी पड़ी। इस आंदोलन के दौरान बहुत से लोगों को गिरफ्तार कर स्थानीय जेलों या इलाहाबाद जेल भेजा गया, सजा अवधि लगभग छह महीने से एक वर्ष तक की थी। इन सेनानियों की गिरफ्तारी और सजा स्थानीय कोर्ट द्वारा होती थी। रस्तीपुर में मूर्ति लगाने एवं चौराहे का नाम मोतीलाल करने की मांग स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोतीलाल के नाम वरुणा–जंघई मार्ग के रस्तीपुर चौराहा पर मूर्ति लगाए जाने एवं चौराहा का नामकरण उनके नाम पर करने की वर्षों से मांग होती रही है किन्तु अभी तक शासन–प्रशासन ने इस दिशा में एक कदम भी आगे बढ़ाया हो ऐसा प्रतीत नहीं होता। स्थानीय राम प्रसाद, अशोक कुमार, राम सिंह, मिठाई लाल बनवासी, लालमणि पासी, राकेश गुप्ता, शिवराम गुप्ता, जोधा यादव, होरीलाल गुप्ता, दीपक कुमार, अरुण यादव, मनोज यादव, अजय यादव, लालमणि पटेल, चंद्रमणि शर्मा, मनीष यादव, अशोक सरोज, बऊ बनवासी, व धर्मेंद्र कुमार आदि ने जंघई–वरुणा व सरायममरेज बरियाराम मार्ग पर मूर्ति लगाने की मांग की है। इन लोगों का कहना है कि यह भूमिका केवल इतिहास को याद करने की औपचारिकता नहीं है, यह उस ऋण की स्मृति है, जो हम पर शेष है। जब हम इन वीरों का स्मरण करते हैं, तो केवल श्रद्धांजलि नहीं अर्पित करते, बल्कि यह प्रण लेते हैं कि उनके सपनों का भारत बनाएंगे स्वाभिमानी, समरस, और सशक्त। प्रतापपुर के 16 संग्राम सेनानियों की शिलालेख पर अंकित है अमर स्मृति जब–जब हम स्वतंत्रता की बात करते हैं, जब–जब तिरंगा लहराता है, तब–तब हमारी आत्मा झुक जाती है उन महान परवानों के आगे, जिन्होंने इस देश की आज़ादी के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। वे न किसी पुरस्कार की चाह रखते थे, न किसी इतिहास में नाम की ख्वाहिश। उनका सपना बस एक था कि भारत मां की बेड़ियां टूटें, उसकी मिट्टी फिर से मुस्कुराए। यातनाएं सही लेकिन माथा ऊंचा रखा। वे जेलों में कोड़े खाए, लेकिन उनके इरादे कभी नहीं डिगे। उन परवानों ने लहू से तिरंगे के तीन रंगों को गहराई दी और हर कतरे में वंदे मातरम् की गूंज लिख दी। हमारे गांव–गांव, गली–गली से निकले वे वीर, जिनके नाम भले आज किताबों में छोटे हों, लेकिन उनके कर्म युगों तक गूंजते रहेंगे। उनका साहस हमारी विरासत है, उनकी कुर्बानी हमारा भविष्य। इन परवानों में जंघई के अनंत बहादुर सिंह पुत्र कल्लू सिंह, कामता प्रसाद उर्फ रघुवीर पुत्र बोडर, काशी प्रसाद पुत्र बृज बिहारी, प्रतापपुर के पंचल पुत्र देवी, जंघई के राम प्रसाद पुत्र भगौती प्रसाद व लक्ष्मी नारायन पुत्र बच्चा, अनुआं के राम प्रसाद पुत्र राजाराम, सेमरी के सत्य प्रसाद पुत्र कामता प्रसाद, नेदुला के माता चरन पुत्र राम हरख, हसनपुर के मोतीलाल पुत्र प्रयाग, अनुआं के केदारनाथ पुत्र बच्चू, जंघई के राम दुलार पुत्र राम तवंकल, भोगवारा के रामनाथ दुबे पुत्र राम सुन्दर, बीबीपुर (उग्रसेनपुर) के श्रीपति मौर्य पुत्र रामनाथ, जंघई के रंग बहादुर सिंह पुत्र माता गुलाम सिंह इसी प्रकार रामपुर के लक्ष्मी नारायन पुत्र देवी चरन का नाम ब्लॉक मुख्यालय पर स्थित शिलालेख पर अंकित है पर दुर्भाग्य पूर्ण यह कि अभी तक आजादी के इन 78 वर्षों बाद भी ऊपर एक छतरी तक नहीं लग सकी है।

प्रयागराज में लगातार बढ़ रहीं गंगा–यमुना, 60 हजार से अधिक लोग हुए बेघर, 7 अगस्त तक स्कूल बंद

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में वृद्धि लगातार जारी है। इससे बाढ़ ने और विकराल रूप ले लिया है। सोमवार की शाम तक लगभग पांच लाख की आबादी बाढ़ से प्रभावित हो चुकी थी। 60 हजार से अधिक लोग बेघर हुए। थोड़ी राहत की बात यह है कि बीते कुछ दिनों से जहां प्रतिदिन एक मीटर से अधिक की बढ़ोतरी हो रही थी, वहीं सोमवार को वृद्धि की रफ्तार धीमी रही, लेकिन थमी नहीं। ऐसे में फिलहाल अफसर आगे क्या स्थिति होगी इस बारे में कुछ कहने से बच रहे हैं। थमी रफ्तार को देखते हुए मंगलवार से कुछ राहत की उम्मीद जताई जा रही है।

इस बीच सोमवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद अफसरों के साथ बैठक कर बाढ़ राहत के संबंध में जरूरी निर्देश दिए। बाढ़ और लगातार हो रही बारिश को देखते हुए प्रयागराज में 12वीं कक्षा तक के सभी बोर्ड के स्कूल सात अगस्त तक बंद कर दिए गए हैं।

गंगा और यमुना का जलस्तर सोमवार को भी बढ़ा। सुबह आठ बजे की बात की जाए तो रविवार के मुकाबले नैनी में यमुना का जलस्तर 50 सेंटीमीटर, फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 54 और छतनाग में 56 सेंटीमीटर बढ़ा। शाम

को चार बजे एक से डेढ़ सेंटीमीटर प्रतिघंटा की वृद्धि की रफ्तार रही। जलस्तर में वृद्धि की रफ्तार धीमी होने पर अफसरों ने राहत की सांस ली है। उम्मीद है कि मंगलवार शाम के बाद कुछ और राहत मिल सकती है। वहीं, डिप्टी सीएम ने ब्वॉयज हाईस्कूल व वाईएमसीए स्कूल में बने राहत शिविरों में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात कर राहत सामग्री वितरित की। उन्होंने भोजन का अतिरिक्त स्टॉक रखने के साथ ही यह भी कहा है कि जो गांव टापू बन गए हैं, उन्हें भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र की तरह माना जाए और वहां पर खाद्य सामग्री पहुंचाई जाए। बिजली की आपूर्ति के लिए जनरेटर का प्रबंध किया जाए।

बाढ़ पर एक नजर

05 लाख से अधिक आबादी हो चुकी है प्रभावित।

60 हजार से अधिक लोग हो चुके हैं बेघर।

290 गांव बाढ़ की जद में आए।

62 बस्तियां शहर की हुईं प्रभावित।

प्रयागराज जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि जलस्तर बढ़ोतरी की रफ्तार थोड़ी धीमी हुई है, लेकिन अभी जिला बाढ़ की जद में है। राहत और बचाव कार्य जारी है। आवश्यकता के अनुसार तैयारी की जा रही है। आगे जैसी जरूरत होगी, उसके अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

कुर्क जमीन पर रोप दी धान, पूर्व विधायक की पत्नी समेत पांच पर मुकदमा

प्रयागराज। ज्ञानपुर के पूर्व विधायक विजय मिश्र की पत्नी समेत पांच लोगों के खिलाफ हंडिया थाने में कुर्क जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर धान की रोपाई करने के आरोप में नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। क्षेत्रीय लेखपाल की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। गैंगस्टर एक्ट के तहत 2009 में जमीन को कुर्क किया गया था। हंडिया तहसील के लेखपाल अखिलेश कुमार यादव के पास बढ़ौली के अलावा सराय सिविल उर्फ खपटिहा का अतिरिक्त प्रभार है। लेखपाल की तहरीर के अनुसार, भदोही जिले की ज्ञानपुर सीट के पूर्व विधायक विजय मिश्र के खिलाफ 2003 में फूलपुर थाने में गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मुकदमे के आधार पर 24 अक्तूबर 2009 में तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट राजीव अग्रवाल के आदेश पर खपटिहा गांव में विजय मिश्र व उसकी पत्नी रामलली मिश्रा की 0.2970 हेक्टेयर जमीन व एक दोमंजिला मकान की कुर्की हुई थी। एसडीएम हंडिया को इन संपत्तियों का प्रशासक नियुक्त किया गया था। आरोप है कि रामलली मिश्रा व उनके सहयोगी सतीश मिश्रा, आशीष मिश्रा व प्रेमशंकर मिश्रा ने जोताई कराकर कुर्क जमीन पर धान की रोपाई करा दी। मकान के दो कमरे व टीन शेड लगाकर बिंदो देवी पत्नी मनीष मिश्रा की ओर से इस्तेमाल किया जा रहा था। कुर्क जमीन को सील कराकर ट्रैक्टर से रोपी गई फसल को नष्ट कराया गया। इस संबंध में एसीपी हंडिया सुनील कुमार सिंह ने बताया कि लेखपाल की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच कराई जा रही है।

शिवालिक पहाड़ियों में हो रही लगातार बारिश के बाद शाकंभरी नदी में आया पानी का सैलाब..

सहारनपुर (शाकंभरी)। सिद्धपीठ श्री शाकंभरी देवी में इन दिनों शिवालिक पहाड़ियों में हो रही लगातार बारिश के बाद शाकंभरी खोल(नदी) में आए दिन पानी का सैलाब आ रहा है। इसके चलते स्थानीय दुकानदारों एवं श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रात्रि में करीब तीन बजे शाकंभरी नदी में पानी का तेज सैलाब आया। हालांकि उस समय मां के दरबार ने श्रद्धालु नहीं थे। पुलिस ने पहाड़ियों से मिली सूचना के बाद सभी को सचेत कर दिया था। पानी कम होने के बाद ही श्रद्धालुओं को मां के दर्शनों को जाने दिया गया। सिद्धपीठ में पानी आने के बाद भी श्रद्धालुओं की आस्था कम नहीं हुई है। श्रद्धालु लगातार देवी दर्शनों को पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से सर्वप्रथम बाबा भूरादेव के दर्शन किए उसके उपरांत मां के दर्शन कर देश एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। इसके अलावा भक्तों ने साकेश्वर महादेव मंदिर और संकटमोचन हनुमान मंदिर में दर्शन कर पुण्य लाभ कमाया।

प्रवेश पत्र मांगने पर परीक्षक के साथ की अभद्रता

प्रयागराज। प्रयाग संगीत समिति से परीक्षक के रूप में संजय कुमार तिवारी महोबा जिले के अबोध कुमार सोनी, वीणा पाणि संगीत महाविद्यालय में गायन, वादन, नृत्य व कथक की प्रयोगात्मक परीक्षा लेने पहुंचे थे। परीक्षक ने आरोप लगाया है कि परीक्षा से पहले बच्चों से प्रवेश पत्र मांगने पर केंद्र अध्यक्ष अबोध सोनी अभद्रता करने लगे। यह भी कहा कि यहां पर 41 वर्षों से बिना प्रवेश पत्र के परीक्षा हो रही है। जिसके बाद परीक्षक बिना प्रयोगात्मक परीक्षा लिए लौट आए और इस पूरे प्रकरण की जानकारी उन्होंने समिति के सब रजिस्ट्रार बीके पांडेय को फोन पर दी। परीक्षक ने बताया कि इस विद्यालय में कुल 55 परीक्षार्थी शामिल थे और मौके पर उसमें से केवल 18 परीक्षार्थी ही उपस्थित हुए। जो समिति के नियमों के अनुसार नहीं था। साथ ही प्रवेश पत्र के बिना परीक्षा नहीं कराने का निर्णय लिया। समिति के रजिस्ट्रार प्रदीप कुमार ने कहा कि परीक्षक विद्यालय के प्रकरण को लेकर शिकायत करते हैं तो उसकी जांच कराई जाएगी। जिसके बाद ही आगे कोई निर्णय लिया जाएगा।

ऊंचवागढ़ी में छात्रों ने छोड़ा घर

प्रयागराज। बेली अस्पताल के बगल ऊंचवागढ़ी में पानी मुख्य मार्ग के काफी करीब आ गया था। दोपहर दो बजे मोहल्ले में रहने वाले दो दर्जन से अधिक छात्र सामान बांधे घर से निकल रहे थे। पूछने पर छात्रों ने बताया कि अब जलस्तर बढ़ रहा है, हिम्मत नहीं हो रही है कि यहां रहें। पानी और भोजन के लिए भटकना पड़ा तो क्या फायदा। सीतापुर के रहने वाले सुधांशु ने बताया कि वह क्षेत्र की एक लॉज में रहते हैं। अब वहां तक पानी आ चुका है। आज घर जा रहे हैं, 15 दिन बाद लौटेंगे।

आधी रात में गिरी मजदूर के मकान की छत, मदद की मांग

भोपा। भारी बारिश के बीच आधी रात मजदूर के कच्चे मकान की छत गिर गयी जिसमें कीमती घरेलू सामान दब गया गरीब मजदूर ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव किशनपुर निवासी अहसान ने जानकारी देकर बताया कि सोमवार की मध्य रात्रि को वह अपने परिवार के साथ मकान के अंदर सो रहा था इसी दौरान हो रही भारी बारिश से मकान की छत गिरने लगी परिवार ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई गनीमत रही कि परिवार के किसी भी सदस्य को कोई चोट नहीं लगी लेकिन कच्ची छत के मलबे में घर का घरेलू सामान दबकर खराब हो गया। छत गिरने के दौरान मकान में अंदर अहसान के अलावा घर में पत्नी जरका बेगम, पुत्र ताबिश, दानिश,मोनिस,मुहासिब व पुत्री मुबशशिरा मौजूद थे। ग्राम प्रधान आबिद सहित ग्रामीण नसीम,तस्लीम,नईम, अब्दुल मुत्तलिब, शाहिद,आकिब,जाहिद ने प्रशासन से मजदूर के मकान को पक्का बनवाने की मांग की है।

विधवा का कच्चा मकान गिरा, टला हादसा

मोरना। बारिश के दौरान विधवा का कच्चा मकान गिर गया। जिससे मजदूर परिवार खुले आकाश के नीचे आ गया है। पीड़िता ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव

मोरना मे जानसठ मार्ग के निकट अनुसूचित जाति की विधवा रूपा का मकान मंगलवार की सुबह बारिश के दौरान गिर गया। देवर आनन्द ने जानकारी देकर बताया की भाभी रूपा भतीजा हार्दिक व तृषा रानी व माता धर्मवीरी के संग मकान मे सो रही थी की तेज़ बारिश के दौरान छप्पर गिर गया। जिसकी आवाज सुनकर चारों मकान के बाहर दौड़े की अचानक मकान भी भर भराकर गिर गया। रूपा के पति अमित की दुर्घटना मे मौत हो चुकी है। पीड़िता ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

जाहरवीर म्हाडी पर छड़ी निशान चढ़ाने को लगी दिन भर लाइन

मोरना। मोरना मे स्थित जाहरवीर गोगा की म्हाड़ी पर बारिश की परवाह न करते हुए सोमवार को दूर दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आए श्रद्धालुओं ने छड़ी निशान चढ़ाए। इस दौरान आयोजित मेले में चारों ओर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने दुकानों पर खरीदारी की तो बच्चों ने उठाया झूलों का आनंद उठाया। गोगा जाहरवीर म्हाड़ी पर सुबह ही श्रद्धालुओं

की कतार लग गई थी। रिमझिम वर्षा के बीच दूर दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आए श्रद्धालुओं ने म्हाड़ी पर छड़ी एवं निशान चढ़ाकर पूजा अर्चना की। मान्यता के अनुसार जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से म्हाडी पर छड़ी निशान चढ़ाकर मनौती मांगता है उनकी मुराद अवश्य पूरी होती है। नव विवाहित जोड़ों ने बैंड बाजों के साथ पूजा अर्चना कर छड़ी निशान चढ़ाए। कस्बा भोकरहेड़ी, गांव छछरौली, वजीराबाद, सिकंदरपुर, शुक्रताल, फिरोजपुर, चौरावाला, भोपा, मलपुरा, अलीपुरा, तिस्सा आदि कई दर्जन गांवों से ग्रामीण ट्रैक्टर ट्राली व बुग्गी में सवार होकर निशान चढ़ाने पहुंचे। निशान चढ़ाए। मेला में चारों ओर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। महिला श्रृंगार की दुकानों पर महिलाओं ने जमकर खरीदारी की तो बच्चों ने उठाया झूलों का आनंद उठाया। मेले में लगे झूलों पर बच्चों के झूलने की भीड़ लगी रही।

कुँवर आसिम खान को जन्मदिन पर फूलों का गुलदस्ता भेंट कर दी बधाई

मुजफ्फरनगर। दलित–मुस्लिम एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुरेन्द्र कुमार बौद्ध ने राष्ट्रीय प्रधान महासचिव शकील खान, राष्ट्रीय महासचिव पुष्पेन्द्र चिकारा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंकज कश्यप, राष्ट्रीय सचिव सतन गुर्जर के साथ लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नई दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय पर उपस्थिति होकर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुँवर आसिम खान के जन्मदिन के अवसर पर उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट करके जन्म दिन बहुत–बहुत बधाई एंव ढेरों

सारी हार्दिक शुभकामनाएं तथा बहुत–बहुत मुबारकबाद दी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुँवर आसिम खान के जन्मदिन के कार्यक्रम के अवसर पर उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए दलित–मुस्लिम एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुरेन्द्र कुमार बौद्ध ने कहा है कि कुँवर आसिम खान का राजनीति केरियर बेदाग है और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का अगर कोई भी कार्यकर्ता वह चाहे किसी भी प्रकोष्ठ हो और चाहे। वह देश के किसी भी राज्य का निवासी क्यों नहीं हो और चाहे कोई भी आम नागरिक हो और जो भी उनके पास पहुँचता है और कुँवर साहब उनसे बिना भेदभाव के सभी का सम्मान करते हुए मिलते हैं और इसलिए ही कुँवर आसिम खान के लिए देश के कोने कोने से आई जनता की यही आवाज है कि कुँवर आसिम खान देश के हर युवाओं के दिलों धड़कन और देश के दलितों, पिछड़ों अल्पसंख्यकों की आवाज है।

डीएम ने ड्रग वेयरहाउस, 100 बेडेड संयुक्त चिकित्सालय एवं राजकीय इंजीनियरिंग कालेज का किया निरीक्षण

निर्माण कार्यो की गुणवत्ता ठीक न मिलने पर डीएम हुये नाराज, जांच कर कार्रवाई के दिये निर्देश

चिकित्सालय में उपकरण क्रय करने वालों के खिलाफ निलम्बन की कार्यवाही की जाये–डीएम

100 बेडेडे संयुक्त चिकित्सालय की गुणवत्ता ठीक न मिलने पर ठेकेदार को किया जाये ब्लैक लिस्टेड

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी द्वारा आज निर्माणाधीन ड्रग वेयरहाउस, 100 बेडेड संयुक्त चिकित्सालय एवं राजकीय इंजीनियरिग कालेज शिवसत का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यो की प्रगति एवं गुणवत्ता की जानकारी ली। डीएम के निरीक्षण से मौके पर मौजूद अफसरों में हड़कम्प मचा रहा। सर्वप्रथम डीएम ने ड्रग वेयरहाउस शिवसत के निरीक्षण किया जिसका निर्माण कार्यदायी संस्था सी एण्ड डीएस यूनिट–10 द्वारा कराया जा रहा था, मौके पर मौजूद जेई से निर्माण कार्यो के प्रगति की जानकारी ली तो बताया गया कि ड्रग वेयरहाउस का निर्माण रूपये 10.65 करोड़ की लागत से किया जाना है जिसमें से अभी तक अवमुक्त धनराशि रूपये 8.22 करोड़ का कार्य कराया जा चुका है, अवशेष बजट प्राप्त होने पर कार्य को तेजी से कराया जायेगा जिस पर डीएम ने मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद को निर्देशित किया कि बजट डिमाण्ड पत्र शासन को प्रेषित किया जाये जिससे बजट प्राप्त होने पर कार्य पूर्ण हो सके। निरीक्षण के दौरान ड्रग वेयरहाउस के बाउण्ड्री की गुणवत्ता ठीक न पाये जाने पर जेई को सचेत करते हुये निर्देशित किया कि बाउण्ड्रीवाल की गुणवत्ता को ठीक किया जाये तथा अन्य जो भी कार्य कराये जाये वह गुणवत्तायुक्त हो, यदि निर्माण कार्य में कहीं पर भी लापरवाही पायी जायेगी तो सम्बन्धित के विरूद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी।

उसके उपरान्त डीएम ने 100 बेडेडे संयुक्त चिकित्सालय व आवास का निरीक्षण किया

जिसका निर्माण कार्यदायी संस्था आवास विकास द्वारा कराया गया है, निरीक्षण में निर्माण कार्य की गुणवत्ता ठीक न पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि गुणवत्ता की जांच कराकर ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड किया जाये और बगैर गुणवत्ता की जांच के हैण्डओवर न लिया जाये। निरीक्षण में पाया गया कि वर्ष 2021 में चिकित्सालय में जो भी उपकरण क्रय किये गये थे वे मौके पर वैसे ही पड़े मिले जिस पर डीएम ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि जिनके द्वारा बजट की डिमाण्ड भेजकर उपकरण खरीदा गया था ऐसे सम्बन्धित के विरूद्ध निलम्बन की कार्यवाही की जाये। 100 बेडेड संयुक्त चिकित्सालय के निर्माण की लागत रूपये 45.23 करोड़ है जिसके सापेक्ष रूपये 42.97 करोड़ अवमुक्त हो चुका है। इसी प्रकार जिलाधिकारी ने राजकीय इंजीनियरिंग कालेज शिवसत का निरीक्षण किया जिसका निर्माण कार्यदायी संस्था सी एण्ड डीएस यूनिट–10 प्रयागराज द्वारा कराया जा रहा था। निरीक्षण में इंजीनियरिंग कालेज की गुणवत्ता ठीक न मिलने पर शासन से जांच कराने हेतु पत्र प्रेषित करने एवं सम्बन्धित अधिकारी का भी उत्तरदायित्व निर्धारित करने के निर्देश दिये गये। राजकीय इंजीनियरिंग कालेज को रूपये 48.25 करोड़ की लागत से निर्माण कार्य कराया जा रहा है जिसमें रूपये 45 करोड़ अवमुक्त हो चुका है। मुख्य सड़क से शिवसत तक सड़क मार्ग की स्थिति ठीक न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने प्रान्तीय खण्ड के अधिशासी अभियन्ता ओपी चौरसिया को मौके पर बुलाकर निर्देशित किया कि शिवसत मार्ग को अपनी कार्ययोजना में शामिल करते हुये सड़क को 2 लेन में निर्माण कार्य कराया जाये जिससे आमजन मानस को सुविधा मिल सके।

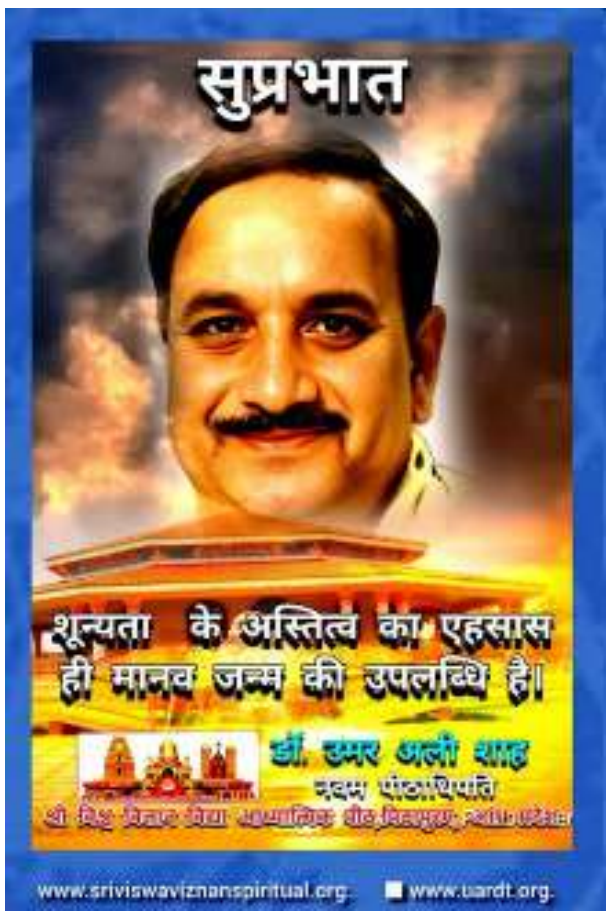

चूड़ियाँ खनखन करती

(कुण्डलिया)

नदियाँ कल कल बह रहीं, पेड़ रहे हैं झूम।
सावन आया द्वार पर,कजरी की है धूम।
कजरी की है धूम,बरसता पानी रिमझिम।
आयी बादल–बारात, सूर्य बस चमके टिमटिम।
सुन लो कहें प्रदीप,यहाँ का यह मस्त समाँ।
सुखद सुहानी याद, बनेंगी हर इक नदियाँ।

सावन ने झकझोर कर, जगा दिया वह ख्वाब।
झूले पर हैं नारियाँ, नभ से गिरता आब।
नभ से गिरता आब,चूड़ियाँ खनखन करती।
पायल की आवाज़, सुरों में जादू भरती।
सुन लो कहें प्रदीप, सुहाने दिन थे पावन।
जिसमें हँसी–मजाक,साथ में हरिहर सावन।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

आरोग्य भारती की बैठक संपन्न

प्रतापगढ़ प्रांतीय कार्यशाला को लेकर बनी रणनीति

आर एन एस प्रतापगढ़! आरोग्य भारती शाखा प्रतापगढ़ की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष सुधांशु उपाध्याय के आह्वान पर आनन्द सदन में आयोजित की गई !बैठक में आरोग्य भारती काशी प्रान्त के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ रंगनाथ शुक्ल की गरिमामय उपस्थिति रही चर्चा के क्रम में सर्वप्रथम संगठन विस्तार और आगामी

लोकपाल समाज शेखर की जन सुनवाई निरंतर जारी

मांधाता ब्लाक के पूरे लाल के सचिव ने लोकपाल के समक्ष बीडीओ की आख्या की प्रस्तुत

डीह बलई के पूर्व सचिव को बार बार समय देने के बावजूद उपस्थित न होने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही का लिया निर्णय

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जन सुनवाई व संवाद निरंतर जारी है। प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को 12 बजे से 4 बजे तक जन सामान्य की शिकायतों की सुनवाई व संवाद कार्यक्रम का लाभ जन जन को प्राप्त हो रहा है। मांधाता ब्लाक के पूरे लाल ग्राम में गलत भुगतान की शिकायत प्राप्त होने पर डीसी मनरेगा को जांच कर कार्यवाही का निर्देश दिया था।

ढाई माह बीत जाने के बाद खंड विकास अधिकारी के जवाब देने पर लोकपाल ने जवाब तलब किया। उपस्थित सचिव ओम प्रकाश ने देरी की वजह कार्य की व्यस्तता बताते हुए माफ कर आख्या स्वीकार करने का आग्रह किया। जिस पर लोकपाल ने आख्या स्वीकार करते हुए डी सी मनरेगा से उपरोक्त कार्य व आख्या का स्थलीय पर्यवेक्षण व जांच करके समुचित कार्यवाही व आख्या की अपेक्षा की।

लोकपाल समाज शेखर ने जन सुनवाई व संवाद में बाबागंज ब्लाक के आज डीह बलई ग्राम के सचिव काशी नाथ वर्मा को लोकपाल ने बयान हेतु ग्राम की शिकायत के मामले मे तलब किया था। कई बार बुलाया गया बार बार बहाने बाजी के दृष्टिगत लोकपाल ने गंभीरता से लेते हुए प्रथम दृष्ट्या अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु मुख्य विकास अधिकारी को संस्तुति करने का निर्णय लिया। वहीं डीह बलई ग्राम के शिकायत कर्ता कोमल मिश्र ने 52 बिंदु के साथ ग्राम समस्याओ को चिन्हांकित कर जिलाधिकारी व लोकपाल से मिलकर आवश्यक कार्यवाही की मांग की। बीजेपी किसान मोर्चा के जिला महामंत्री पवन वर्मा ने लोकपाल से मुलाकात कर सांगीपुर ब्लाक के पूरे मुरली के ग्राम विकास पर संवाद किया।

प्रमुख आयामों के आयोजन को लेकर सदस्यों की राय ली गई जिसपर राकेश शर्मा द्वारा विद्यालय में रक्षाबंधन उत्सव और पौध प्रबोधन किए जाने का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया उसके पश्चात काशी प्रान्त में आगामी 17अगस्त को आयोजित एक दिवसीय कार्यकर्ता अभ्यास व विचार गोष्ठी में प्रतिभागिता के लिए आवेदन मांगे गए जिसमें जिला कार्यकारिणी से उपाध्यक्ष अमित शुक्ल सह सचिव धर्म प्रकाश पाण्डेय कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा व वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य डॉ राजीव कुमार श्रीवास्तव ने अभ्यास वर्ग में सहभागिता करने के लिए अपना मत प्रकट किया बैठक की अध्यक्षता डॉ सुधांशु उपाध्याय व संचालन अमित शुक्ल ने किया।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन रजि द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने हेतु चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप एवं ई ओ नगर पालिका प्रज्ञा सिंह को किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन रजि के प्रदेश उपाध्यक्ष मंडल प्रभारी कृष्ण गोपाल मित्तल,अध्यक्ष संयुक्त व्यापार संघ संजय मिश्रा,प्रदेश मंत्री सरदार बलविंदर सिंह,जिला अध्यक्ष राकेश त्यागी,अध्यक्ष सर्राफा एसो पवन वर्मा, जिला महामंत्री विशाल जैन,जिला युवा अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह,जिला युवा महामंत्री भूपेंद्र गोयल,सुखबीर सिंह,उदित किंगर द्वारा कावड़ मेले में सड़क पर उतरकर साफ सफाई व्यवस्था,तत्परता के साथ कावड़ यात्रा मार्ग को गड्ढा मुक्त करने,कावड़ यात्रा के दौरान हुई बारिश से हुए जल भराव के दौरान पानी में उतरकर जल्द से जल्द उसकी समुचित

व्यवस्था करने,सहित संपूर्ण कावड़ यात्रा में नगर पालिका के उत्कृष्ट कार्य करने हेतु चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप एवं अधिशासी अधिकारी प्रज्ञा सिंह को प्रशस्ति पत्र भेंट करते हुए सम्मानित किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल मित्तल ने कहा कि कावड़ यात्रा में मुजफ्फरनगर से करोड़ों कांवड़ियों का सैलाब होकर गुजरता है उस दौरान चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप एवं ई ओ नगर पालिका प्रज्ञा सिंह द्वारा अपने कर्तव्यों का पूर्णतया जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करते हुए कार्य किए गए और कावड़ मेले को सकुशल संपन्न कराया गया आज उसी कड़ी में व्यापार संगठन पदाधिकारीयो द्वारा इनको सम्मानित किया गया है,व हमें पूर्णतया विश्वास है कि भविष्य में भी इनके द्वारा नगर के विकास हेतु ऐसे ही लगातार कार्य किए जाएंगे।

डा. बालकृष्ण पांडेय ओमान की राजधानी मस्कट में होंगे सम्मानित

प्रयागराज। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संरक्षक डॉक्टर बालकृष्ण पांडेय (एडवोकेट उच्च न्यायालय इलाहाबाद) को वर्ष 2025 का परिकल्पना सम्मान प्रदान किया जाएगा, जो मस्कट में 7 अगस्त से 10 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है। परिकल्पना की अध्यक्ष माला चौबे ने बताया कि ओमान की राजधानी में चार दिवसीय परिकल्पना हिंदी उत्सव यात्रा समारोह आयोजित किया जा रहा है जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ता एवं भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संरक्षक डॉक्टर बालकृष्ण पांडेय का संबोधन होगा द्य इस अवसर पर डॉ पांडेय को सम्मानित भी किया जाएगा जिसमें अंगवस्त्र स्मृति चिन्ह् मान पत्र और नकद राशि प्रदान की जाएगी। स्थानीय पत्रकारों में इस बात को लेकर हर्ष व्याप्त है द्य उपरोक्त जानकारी भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ रवीन्द्र कुशवाहा ने दी है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ भाकियू भानु के किसानों का धरना प्रदर्शन

–लोहवन में तैनात पशुचिकित्सक पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए हटाने की मांग

मथुरा। राजीव भवन पर मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन भानु पहलवान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ नारे बाजी कर धरना प्रदर्शन किया। किसानों के प्रदर्शन को देख प्रशासन में हड़कंप मच गया और किसानों से वार्ता कर ज्ञापन लेते हुए धरना प्रदर्शन समाप्त करवाया। भारतीय किसान यूनियन भानु पहलवान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि किसानों का शोषण और भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा लोहवन और कारब के पशु चिकित्सालय (एल ई ओ सेंटर) के इंचार्ज पशु चिकित्सक हरीश निरंकारी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि वह किसानों से पशुओं के इलाज का पैसा वसूलते हैं वह पिछले 19 वर्षों से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं और रोजाना मनमानी करते हुए किसानों का शोषण कर रहे हैं। जिससे क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान ने उच्चाधिकारियों से जांच कर आरोपी पशु चिकित्सक पर कार्यवाही करते हुए हटाने की मांग की।इस दौरान मण्डल अध्यक्ष चौधरी प्रेम पाल सिंह भरंगर, जिलाध्यक्ष विपिन,,जिला सचिव अशोक चौधरी, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र चौधरी,सीमा चौधरी,मुजाहिद कुरैशी,फैजान कुरैशी , तनवीर कुरैशी, नरेंद्र गंधार,रिंकू गंधार, भीमा चौधरी,देवा चौधरी,महाराज चौधरी,चिरागो,वीरपाल चौधरी,अजय ,पंकज,अर्जुन,गोकुलेश,छोटू, नागेन्द्र ,कोकला चौधरी सहित सैकड़ों की संख्या में मौजूद रहे।

सम्पादकीय........

घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे

ट्रंप की टैरिफ दादागीरी और तमाम देशों के आर्थिक संरक्षणवाद से भारत के लिए उभरी आर्थिक चुनौतियों के बीच स्वदेशी का मंत्र ही एक कारगर विकल्प सिद्ध हो सकता है। वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि संकल्प लें कि हम अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उल्लेखनीय है कि कोरोना संकट के दौरान जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला डगमगाई थी, तब भी प्रधानमंत्री ने देश में स्वदेशी आंदोलन का आह्वान किया था। निस्संदेह, इस दिशा में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन हकीकत है कि अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं हुए। आज के ऐसे दौर में जब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं घोर संरक्षणवाद का सहारा ले रही हैं, भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को स्वदेशी के संकल्प से ही संरक्षण देना होगा। ये कदम मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में अपरिहार्य हैं क्योंकि दुनिया के तमाम देश अपने–अपने आर्थिक हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर अन्यायपूर्ण ढंग से लगाया गया 25 फीसदी का टैरिफ इस कड़ी का ही विस्तार है। ऐसे वक्त में जब भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तो हमें घरेलू अर्थव्यवस्था का स्वास्थ्य सुधारने को अपनी प्राथमिकता बनाना ही होगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है। इसमें दो राय नहीं कि स्वदेशी का संकल्प देश की वर्तमान जरूरत है, लेकिन देश के उद्यमियों को भी सुनिश्चित करना होगा कि स्वदेशी वस्तुओं का विकल्प गुणवत्तापूर्ण हो। आज के उपभोक्तावादी युग में लोग गुणवत्ता से समझौता करने को तैयार नहीं होते। उद्यमियों को सोचना होगा कि कैसे चीन के उद्यमी कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। सरकार को भी उद्योग व व्यापार जगत पर नौकरशाही के शिकंजे को कम करना होगा। उत्पादन क्षेत्र को हमें उस स्तर तक ले जाने के लिये अनुकूल वातावरण तैयार करना होगा, जहां गुणवत्तापूर्ण सस्ते उत्पाद तैयार किए जा सकें। जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी। हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

स्त्रियों की राष्ट्र निर्माण में भूमिका सर्वोपरी

संजीव ठाकुर

महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को महिमा–मंडित करते हुए कहा था कि मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा।

महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को बताते हुए कहा था कि मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा। भारतीय ऋषियों ने अथर्व वेद में माताओं को माता भूमिः पुत्र अहं पृथ्व्या अर्थात भूमि मेरी माता है और हम इस धरा के पुत्र हैं, कहकर प्रतिष्ठित किया है,तभी से विश्व में नारी महिमा का उदघोष हो गया था। महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को महिमा–मंडित करते हुए कहा था कि मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सदगुणों का उच्चतम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन–पालन की ही देन है। जीजाबाई,जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलतः माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योदघाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अदभुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधान एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ–साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति ,संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं अतः महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन,पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ–साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सदगुणी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में संकट आया है तो पत्नियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विजयश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था।विद्योत्मा ने कालिदास को संस्कृत का प्रकांड महाकवि बनाया था, इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट,गबन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायनों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आख्यान करती आ रही है। पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महती रही है। स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चा ना करना इस आलेख को पूर्ण बनाता है, अतः स्वाधीनता के आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर भारत के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अरूणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा,सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी और न जाने कितनी महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलक्ष्मी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनी, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में किया है जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थीं। वर्तमान में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति ईरानी, सोनिया गांधी,प्रियंका गांधी, हरसिमरन, कौर वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रतिभा पाटिल, मृदुला सिन्हा आदि ने राजनीति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपने कार्यों से महिलाओं का सम्मान बढ़ाया एवं देश की अर्थव्यवस्था सुधारने में अपना योगदान दिया है। यह कहने में कतई गुरेज नहीं है कि महिलाएं राजनीति, सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, चिकित्सकीय, और विज्ञान में देश के हित के लिए अग्रणी रही हैं।

सेना के खिलाफ बयानबाजी के लिए सुप्रीम कोर्ट से मिली फटकार राहुल गांधी के लिए चिंतन का अवसर है

नीरज कुमार दुबे

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अक्सर अपनी तीखी राजनीतिक बयानबाज़ी के कारण विवादों में रहते हैं। भारतीय सेना को लेकर दिए गए उनके बयान विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। ऐसा ही एक विवादित बयान देने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को कड़ी फटकार लगाते हुए साफ कहा है कि विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें अपनी बातें संसद के पटल पर रखनी चाहिए, सोशल मीडिया या सार्वजनिक मंचों पर नहीं। उच्चतम न्यायालय ने राहुल गांधी को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसी बातें नहीं कहेंगे। उच्चतम न्यायालय ने राहुल गांधी से पूछा है कि उन्हें कैसे पता चला कि 2,000 किलोमीटर जमीन चीन ने कब्जा ली है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप विपक्ष के नेता हैं, अपनी बात संसद में कहें, सोशल मीडिया पर नहीं। अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज आपराधिक कार्यवाही पर भी रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता उदय शंकर श्रीवास्तव को नोटिस जारी किया है। उल्लेखनीय है कि उदय शंकर श्रीवास्तव की शिकायत पर ही यह मामला दर्ज हुआ था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि राहुल गांधी ने भारत–चीन सीमा विवाद के संदर्भ में भारतीय सेना के खिलाफ कई ष्अपमानजनक बयानष् दिए थे। राहुल गांधी ने अपने खिलाफ दर्ज शिकायत और सम्मन आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने दलील दी कि यह शिकायत राजनीतिक द्वेष से प्रेरित है और इसे दुर्भावना से दायर किया गया है। हम आपको याद दिला दें कि राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा (दिसंबर 2022) के दौरान भारतीय सेना को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था। राहुल गांधी ने तवांग में हुई झड़प के बाद विवादित बयान देते हुए कहा था कि चीनी सैनिक भारतीय सैनिकों को पीट रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि चीन युद्ध की तैयारी कर रहा है और हमारी सरकार सोई हुई है। उस समय राहुल गांधी के बयान पर राजनीतिक हंगामा तो हुआ ही था साथ ही सेना के पूर्व अधिकारियों ने भी नाराजगी जताते हुए कहा था कि भारतीय सेना दुश्मन से मुकाबले को हमेशा तैयार रहती है। सेना के पूर्व अधिकारियों ने राहुल गांधी का ध्यान कांग्रेस शासन के दौरान की कमजोरियों की ओर भी दिलाया था। यही नहीं, अरुणाचल प्रदेश का तवांग, जहां भारत और चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई थी वहां के लोगों ने भी राहुल गांधी के बयान पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि हमें भारतीय सेना पर गर्व है और उन पर पूरा भरोसा है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि सिर्फ तवांग ही नहीं, राहुल गांधी ने गलवान घाटी में भारत–चीन सैनिकों के बीच हुई झड़प को लेकर भी गलतबयानी की थी।

उन्होंने उस समय सरकार से पूछा था कि गलवान घाटी कांड के और उसके पहले चीन ने जो हमारी जमीन छीनी है, उसके बारे में प्रधानमंत्री मोदी चुप क्यों हैं? हालांकि राहुल को शायद पता नहीं कि उसके परनाना नेहरूजी के जमाने में हमारी लगभग 38 हजार किमी जमीन पर चीन ने कब्जा कर लिया था और 1962 के युद्ध में भारत को भारी शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी। यही नहीं, पांच–छह दशक के शासन–काल में कांग्रेस पार्टी ने उस जमीन की वापसी के लिए कभी कोई ठोस कोशिश ही नहीं की। तवांग घटना के बाद कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी से जो सात सवाल पूछे थे वह राष्ट्रहित के विरुद्ध तो थे ही साथ ही हमारी सेना का मनोबल गिराने वाले भी थे। राहुल गांधी को यह भी पता होना चाहिए कि साल 2007 में संसद में एक प्रश्न पूछा गया था, तब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बताया था कि 38 हजार स्क्वायर किलोमीटर की जमीन और कुल 43180 स्क्वायर किलोमीटर जमीन कांग्रेस शासन के दौरान चीन ने कब्जाई है। देखा जाये तो यह कोई पहला मौका नहीं है जब राहुल गांधी की टिप्पणी पर न्यायपालिका ने सवाल खड़े किए हों। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ उनकी ष्चौकीदार चोर हैष् वाली टिप्पणी पर भी सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई थी। अब तवांग घटना और चीन से जुड़ी सीमा स्थिति पर सेना के शौर्य पर सवाल उठाने वाले उनके बयान ने एक बार फिर राजनीतिक बयानबाज़ी की सीमाओं पर बहस छेड़ दी है। जहां तक तवांग में घटे घटनाक्रम की बात है तो इसके बारे में बताया जाता है कि चीनी सेना यानि च्स्। ने स्।ब् को पार करने का प्रयास किया था जिसका विरोध किया गया था। हालांकि इस मुद्दे का स्थानीय स्तर पर ही समाधान हो गया था और बुमला में इसको लेकर एक फ्लैग मीटिंग भी हुई थी। इस घटना के बाद एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया था जिसमें भारतीय सेना चीनी सेना को पीटते और खदेड़ते देखी गयी थी। हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी थी कि यह वीडियो तवांग में हुई झड़प का था या नहीं। राहुल गांधी को समझना होगा कि भारतीय सेना केवल एक संस्था नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक है। जब कोई प्रमुख नेता सेना के शौर्य या क्षमता पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाता है, तो यह न केवल सैनिकों का मनोबल प्रभावित कर सकता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी गलत संदेश जाता है। विपक्ष की भूमिका सरकार से सवाल पूछने की है, लेकिन यह प्रक्रिया तथ्यों और जिम्मेदाराना भाषा पर आधारित होनी चाहिए। राहुल गांधी को समझना होगा कि सोशल मीडिया और जनसभाओं में दिए गए बयान त्वरित राजनीतिक लाभ दे सकते हैं, लेकिन उनके दीर्घकालिक प्रभाव राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से गंभीर हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से कार्यवाही पर रोक लगाना फिलहाल राहुल गांधी के लिए राहत है, लेकिन अदालत की सख्त टिप्पणी उनके लिए एक स्पष्ट चेतावनी भी है। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि विपक्ष के नेता के रूप में उनके हर शब्द का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असर होता है। व्यक्तिगत या दलगत राजनीति के लिए भारतीय सेना के शौर्य पर सवाल उठाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं ठहराया जा सकता। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट की फटकार को राहुल गांधी को आत्मचिंतन के अवसर के रूप में लेना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर संवाद और बहस हो सकती है, लेकिन यह तथ्यों पर आधारित और गरिमापूर्ण होनी चाहिएक्र यही लोकतंत्र और देशहित की सच्ची कसौटी है।

ऑपरेशन सिंदूर–अब आगे क्या?

के विश्वदेव राव

पहलगाम के भयावह आतंकी हमले के बाद, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से जिस दृढ़ता और गति के साथ प्रतिक्रिया दी, वह देश की सैन्य तत्परता का एक उल्लेखनीय उदाहरण था। इस ऑपरेशन ने भारतीय सशस्त्र बलों की दक्षता और सीमा पार जाकर हमला करने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित किया, जिससे स्पष्ट हो गया की भारत अब अपनी सुरक्षा के साथ किसी भी समझौते के लिए तैयार नहीं है। पहलगाम हमले के बाद संसद में हुई बहस में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अपनी कार्रवाई का जोरदार बचाव किया। सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और इसके परिणामस्वरूप भारत को दुनिया भर के देशों से मिले समर्थन को रेखांकित किया। भारत के विदेश मंत्री का मुख्य जोर इस बात पर था कि भारत अब एक ऐसा राष्ट्र है जो अपनी सुरक्षा पर आंच आने पर निर्णायक कार्रवाई करता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह हमला षड्योंसी देश द्वारा प्रायोजितष् था और भारत की जवाबी कार्रवाई आत्मरक्षा में की गई थी। उन्होंने ऑपरेशन की गोपनीयता और सामरिक सफलता पर जोर दिया। सरकार का यह तर्क भी सही है कि इस तरह के संवेदनशील मामलों में सार्वजनिक बहस से सेना का मनोबल प्रभावित हो सकता है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक हो सकता है। अब सवाल यह उठता है कि, कितनी बार हम जवाबी कार्यवाही करेंगे? कितनी बार हम शांति वार्ता की पहल करेंगे? कितनी बार निर्दोष भारतीयों को अपनी जान गवानी पड़ेगी ? संसद में विपक्ष ने सरकार की प्रतिक्रिया की सराहना तो की, लेकिन साथ ही कई महत्वपूर्ण सवाल भी उठाए। विपक्ष ने एक बात तो सही कही कि सरकार केवल जवाबी कार्रवाई पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जबकि हमले को रोकने में हुई चूक पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। विपक्ष ने इस बात पर भी जोर दिया कि एक मजबूत राष्ट्र की पहचान सिर्फ प्रतिक्रिया देने की क्षमता से नहीं होती, बल्कि हमलों को रोकने की उसकी क्षमता से भी होती है। राहुल गाँधी, प्रियंका गाँधी, अखिलेश यादव और अन्य विपक्षी नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा केवल प्रेस ब्रीफिंग तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि संसद में इसकी गहन जांच होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। अब गौर करें पहलगाम जैसे बड़े हमले पर तो एक बात तो कचोटती है, किसी भी संस्थागत जवाबदेही, किसी इस्तीफे या किसी परिचालन ऑडिट के सार्वजनिक होने की कोई खबर नहीं आई। यह लोकतांत्रिक पारदर्शिता के सिद्धांतों के विपरीत है। ऐसे मामलों में पारदर्शिता कमजोरी का संकेत नहीं होती, बल्कि यह एक मजबूत लोकतंत्र की पहचान होती है। यह महत्वपूर्ण है कि राष्ट्र सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को व्यक्तियों के संकल्प के बजाय संस्थागत प्रणालियों के दृष्टिकोण से देखना चाहिए, परन्तु, राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उन प्रणालियों में सुधार करना आवश्यक है जो कार्यालय में कौन है, इस पर ध्यान दिए बिना प्रभावी ढंग से कार्य करती रहें। आने वाली पीढ़ियों को एक स्पष्ट दृष्टिकोण और समझ देना भी उतना ही जरूरी है, जो इतिहास या विरासत में हमे मिला नहीं । हर हमले के बाद हम सोचते है की क्या किया जाए? हमला कैसे हुआ और उसे आगे होने से कैसे रोकना है इस पर भी मंथन जरूरी है जो पूर्व की सरकारों में नहीं किया गया। भारत की निवारक नीति अभी भी काफी हद तक अपरिभाषित है। कारगिल, उरी, बालाकोट और अब पहलगाम जैसी घटनाओं पर प्रतिक्रियाएँ जोरदार रही हैं, लेकिन एक स्पष्ट सार्वजनिक सिद्धांत की अनुपस्थिति रणनीतिक अस्पष्टता को जन्म देती है। यह महत्वपूर्ण है कि भारत एक स्पष्ट सुरक्षा सिद्धांत विकसित करे जो सीमा पार प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करे, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों का इतिहास हमेशा से ही जटिल रहा है, जिसमें युद्ध, तनाव और शांति प्रयासों का मिश्रण रहा है। जवाहर लाल नेहरू से लेकर नरेन्द्र मोदी तक, हर प्रधानमंत्री ने अपने–अपने तरीके से इस चुनौती का सामना किया है। जवाहरलाल नेहरू ने पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने की उम्मीद की थी। कश्मीर पर 1947–48 के युद्ध और अन्य विवादों ने इस उम्मीद को कम कर दिया। नेहरू की नीति अक्सर ष्रणनीतिक संयमष् और ष्शांतिवादष् पर आधारित थी। वहीँ लाल बहादुर शास्त्री ने ताशकंद घोषणा (1966) पर हस्ताक्षर किए। इस घोषणा का उद्देश्य शांति बहाल करना और पूर्व–युद्ध स्थिति पर लौटना था। इंदिरा गांधी ने शिमला समझौता (1972) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से सभी विवादों को सुलझाने का एक ढाँचा स्थापित किया। अटल बिहारी वाजपेयी ने लाहौर घोषणा (1999) के माध्यम से, बस से लाहौर की यात्रा की, जो दोनों देशों के बीच शांति की एक प्रतीकात्मक पहल थी। कारगिल युद्ध ने इन प्रयासों को बाधित कर दिया। इसके बाद भी, उन्होंने आगरा शिखर सम्मेलन (2001) के माध्यम से शांति बहाल करने का प्रयास किया। वाजपेयी की नीति को आतंकवाद को अस्वीकार करते हुए शांति की कोशिश कहा जा सकता है। वहीँ मनमोहन सिंह सरकार ने पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने पर जोर दिया, लेकिन सीधे सैन्य कार्रवाई से परहेज किया। इस काल में शांति वार्ता अक्सर आतंकवाद के मुद्दे पर रुक जाती थी। नरेन्द्र मोदी सरकार ने 2014 में अपने शपथ ग्रहण समारोह में नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था यह सोचकर की संबंध सुधरेंगे पर उरी (2016) और पुलवामा (2019) जैसे हमलों के बाद, भारत ने अपनी नीति में एक बड़ा बदलाव किया। सर्जिकल स्ट्राइक (2016) और बालाकोट एयर स्ट्राइक (2019) जैसी कार्रवाइयों ने दिखाया कि भारत अब केवल राजनयिक दबाव पर निर्भर नहीं है, बल्कि सीमा पार जाकर आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाने के लिए भी तैयार है। इस नीति को अक्सर नया सामान्य कहा जाता है, जहाँ शांति वार्ता आतंकवाद के पूर्ण खात्मे से जुड़ी है। वर्तमान मोदी सरकार अब केवल शांति वार्ता पर निर्भर नहीं है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक सैन्य कार्रवाई को भी अपने कूटनीतिक टूलकिट का हिस्सा मानती है। पहलगाम हमले के बाद सबसे बड़ा सवाल संस्थागत जवाबदेही का है। एक बड़े हमले और सैन्य ऑपरेशन के बावजूद, किसी भी अधिकारी की जवाबदेही तय नहीं की गई, न ही किसी सार्वजनिक ऑडिट की बात हुई। ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य शक्ति का एक बेहतरीन उदाहरण है। हमें अपनी प्रतिक्रियात्मक क्षमता पर गर्व करना चाहिए, लेकिन उससे इतर हमारी प्राथमिकता हमलों को होने से रोकने की होनी चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती अब केवल सीमा पार की चुनौतियों से नहीं, बल्कि हमारे अपने सुरक्षा तंत्र में मौजूद खामियों को दूर करने की है।

सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा के साथ एक पौराणिक अलौकिक थ्रिलर 'जटाधारा' की शुरुआत

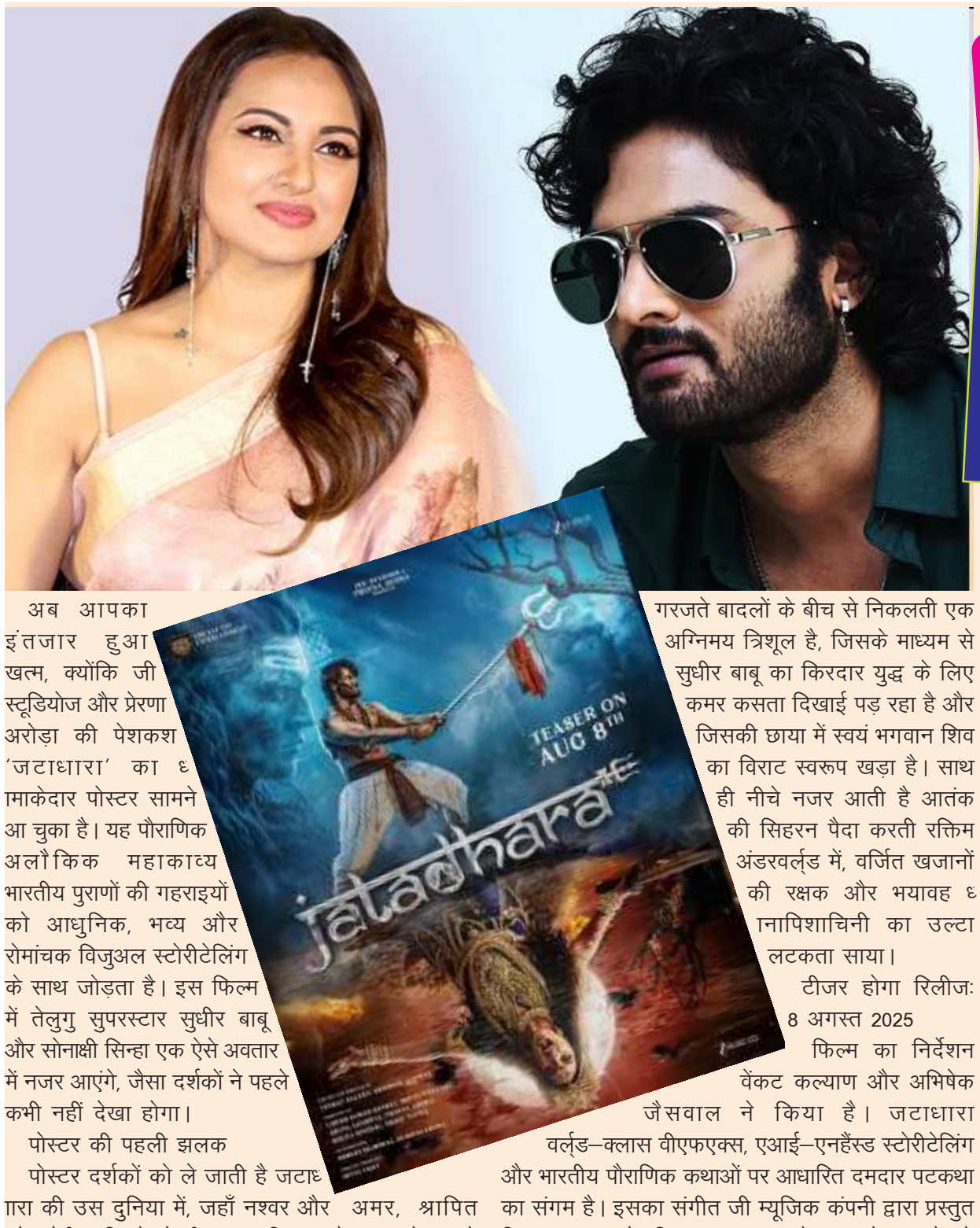

अब आपका इंतजार हुआ खत्म, क्योंकि जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा की पेशकश 'जटाधारा' का धमाकेदार पोस्टर सामने आ चुका है। यह पौराणिक अलौकिक महाकाव्य भारतीय पुराणों की गहराइयों को आधुनिक, भव्य और रोमांचक विजुअल स्टोरीटेलिंग के साथ जोड़ता है। इस फिल्म में तेलुगु सुपरस्टार सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा एक ऐसे अवतार में नजर आएंगे, जैसा दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा होगा।

पोस्टर की पहली झलक

पोस्टर दर्शकों को ले जाती है जटाधारा की उस दुनिया में, जहाँ नश्वर और अमर, श्रापित और दैवी शक्तियों के बीच युद्ध छिड़ता है। इस पोस्टर में गरजते बादलों के बीच से निकलती एक अग्निमय त्रिशूल है, जिसके माध्यम से सुधीर बाबू का किरदार युद्ध के लिए कमर कसता दिखाई पड़ रहा है और जिसकी छाया में स्वयं भगवान शिव का विराट स्वरूप खड़ा है। साथ ही नीचे नजर आती है आतंक की सिहरन पैदा करती रक्तिम अंडरवर्ल्ड में, वर्जित खजानों की रक्षक और भयावह धनापिशाचिनी का उल्टा लटकता साया।

टीजर होगा रिलीजः 8 अगस्त 2025

फिल्म का निर्देशन वेंकट कल्याण और अभिषेक जैसवाल ने किया है। जटाधारा वर्ल्ड–क्लास वीएफएक्स, एआई–एनहैंस्ड स्टोरीटेलिंग और भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित दमदार पटकथा का संगम है। इसका संगीत जी म्यूजिक कंपनी द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा और फिल्म इस साल पूरे भारत में भव्य पैमाने पर रिलीज होगी। गौरतलब है कि, भारतीय मनोरंजन जगत का एक बड़ा नाम जी स्टूडियोज, अपनी दूरदर्शी सोच के साथ लगातार सिनेमा को नई दिशा दे रहा है। फिलहाल इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा रहे हैं जी स्टूडियोज के सीबीओ उमेश कुमार बंसल, जिनका अनोखा रणनीतिक दृष्टिकोण और कंटेंट के प्रति जुनून भारतीय सिनेमा के भविष्य को आकार दे रहा है।

जटाधारा के लिए जी स्टूडियोज का दूसरा बड़ा सहयोग है प्रेरणा अरोड़ा, जिन्होंने इससे पहले रुस्तम के साथ सफलता हासिल की थी। गौरतलब है कि प्रेरणा अरोड़ा टॉयलेट एक प्रेम कथा, पैडमैन, परी और बत्ती गुल मीटर चालू जैसी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और प्रभावशाली फिल्में प्रोड्यूस कर चुकी हैं, और उन्हें अर्थपूर्ण लेकिन व्यावसायिक सिनेमा की पैरोकार माना जाता है। जटाधारा को जी स्टूडियोज, उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। साथ ही अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा जैसे सह–निर्माताओं के साथ क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय हैं।जटाधारा सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि यह एक सिनेमा यूनिवर्स की शुरुआत है। तो तैयार रहिए... क्योंकि जटाधारा के रूप में मिथक अब जागृत होने वाला है।

अमेरिका गॉट टैलेंट में छाया पुष्पा का जादू, अल्लू अर्जुन ने दिया जबरदस्त रिएक्शन

अल्लू अर्जुन ने पुष्पा 2 द रूल की जबरदस्त सफलता से सचमुच तहलका मचा दिया है। वह आज के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक हैं, जिन्होंने इस फिल्म की शानदार सफलता से दुनिया भर में अपनी छाप छोड़ी है। नेशनल अवॉर्ड जीतने से लेकर बॉक्स ऑफिस पर राज करने तक, उन्होंने नए–नए रिकॉर्ड बना दिए हैं। लेकिन फिल्म का क्रेज यहीं थमने वाला नहीं है, अब ये दीवानगी ग्लोबल लेवल पर पहुँच गई है। हाल ही में बी यूनिक क्रू ने एक पुष्पा गाने पर धमाकेदार डांस परफॉर्म किया, जिसे दर्शकों और जजों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। अल्लू अर्जुन आज सचमुच एक ग्लोबल सेंसेशन बन चुके हैं। उनकी फिल्म पुष्पा ने हाल ही में अमेरिका'स गॉट टैलेंट के मंच पर भी धमाल मचा दिया। शो में बी यूनिक क्रू ने पुष्पा के एक गाने पर जबरदस्त डांस परफॉर्मेंस दी, जिसे देखकर जज भी दंग रह गए। इस परफॉर्मेंस को दर्शकों ने स्टैंडिंग ओवेशन दिया और जजों ने इसे सीजन का "सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस" कहा। जैसे ही अल्लू अर्जुन ने ग्लोबल स्टेज पर पुष्पा और इस शानदार परफॉर्मेंस को देखा, उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर यह वीडियो शेयर किया और लिखा आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन ने पुष्पा 2 द रूल से कामयाबी की नई मिसाल कायम की। इस फिल्म से उन्होंने न सिर्फ दर्शकों के दिल जीत लिए बल्कि बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। फिल्म ने सिर्फ हिंदी में लगभग ध्800 करोड़ और दुनियाभर में करीब ध्1800 करोड़ की ऐतिहासिक कमाई की। अब हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है कि अल्लू अर्जुन अगली बार पर्दे पर क्या लेकर आएंगे। एक बात तय है कि जो भी वो लाएँगे, वो भी उतना ही धमाकेदार और यादगार होगा।

पहली फिल्म ने की 2000 करोड़ की कमाई, अब सोशल मीडिया पर बिकिनी क्वीन बन चुकी हैं ये बॉलीवुड एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपनी पहली ही फिल्म से ऐसा धमाल मचाया कि उनकी छवि एक संस्कारी बेटी की बन गई। लेकिन अब वो सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड तस्वीरों से फैंस के बीच चर्चा का विषय बन चुकी हैं। सान्या मल्होत्रा ने 2016 में अपनी पहली फिल्म दंगल से बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में उन्होंने आमिर खान की बेटी का किरदार निभाया था, जो दर्शकों को बेहद पसंद आया। यह फिल्म न सिर्फ भारत में बल्कि दुनियाभर में सुपरहिट साबित हुई। 2000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई के साथ इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर एक इतिहास रच दिया। सान्या मल्होत्रा ने अपनी बेहतरीन एक्टिंग से न सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री में पहचान बनाई, बल्कि दर्शकों का दिल भी जीत लिया। अपनी फिल्म में वह एक संस्कारित और सशक्त बेटी के रूप में नजर आईं, जिसने खेल जगत में अपने पिता की उम्मीदों को पूरा किया। इस भूमिका को लेकर उन्हें बहुत सराहना मिली और उनकी फैन फॉलोइंग भी बढ़ी। हालांकि, अब सान्या मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरों से एक नया रूप लिया है। वो अक्सर अपनी बिकिनी फोटोज और वैकेंसी फोटोशूट्स शेयर करती रहती हैं, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो जाती हैं। सान्या मल्होत्रा का नया अवतार फैंस को काफी पसंद आ रहा है और उनकी हॉट तस्वीरें सोशल मीडिया पर तहलका मचा रही हैं। सान्या मल्होत्रा को येलो बिकिनी में अपने टोन्ड ऐब्स फ्लॉन्ट करते हुए देखा गया। उन्होंने सेल्फी ली, जिसमें उनकी नैचुरल ग्लो और स्माइल भी साफ नजर आ रही है। एक और तस्वीर में सान्या ने डीप ब्राउन बिकिनी पहनी हुई थी, जिसमें उन्होंने पूल के पास सेक्सी पोज दिया था। उनके रेड बिकिनी टॉप और डेनिम शॉर्ट्स में उनका हॉट लुक भी चर्चा में रहा। ब्लैक बिकिनी में सान्या का लुक दिलकश था और उनके उड़ते हुए कर्ली बाल ने इस तस्वीर को और भी आकर्षक बना दिया। एक और तस्वीर में सान्या ने पूल के अंदर अपने टोन्ड फिगर को खूबसूरती से फ्लॉन्ट किया। सान्या मल्होत्रा ने एक संस्कारी बेटी के रूप में फिल्मी दुनिया में कदम रखा था, लेकिन अब वो अपने बोल्ड और आत्मविश्वास से भरे लुक्स के साथ एक अलग पहचान बना चुकी हैं। सोशल मीडिया पर उनकी वाइब्रेंट बिकिनी फोटोज और स्टाइलिश पोज फैंस को बहुत भा रहे हैं। सान्या मल्होत्रा का सफर बहुत दिलचस्प रहा है। उन्होंने अपनी पहली फिल्म से ही फैंस के दिलों में एक खास जगह बनाई थी और अब सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड तस्वीरों से वह फिर से सुर्खियों में हैं। चाहे वो संस्कारी बेटी का किरदार हो या फिर बोल्ड बिकिनी क्वीन का अवतार, सान्या मल्होत्रा ने दोनों ही रूपों में खुद को शानदार तरीके से प्रस्तुत किया है।

'यह पेंशन नहीं जिसे चुपचाप स्वीकार कर लिया जाए...नेशनल अवॉर्ड जीतने के बाद भी उर्वशी ने क्यों उठाए सवाल?

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अक्सर किसी न किसी वजह को लेकर चर्चा में रहती हैं। पिछले दिनों एक्ट्रेस का कैनेडा में गहनों से भरा बैग गुम हो गया था। वहीं, अब इसके बाद एक बार फिर उर्वशी चर्चा में हैं। दरअसल, हाल ही में एक्ट्रेस ने खुद को नेशनल अवॉर्ड के लिए सपोर्टिंग एक्ट्रेस की श्रेणी में शामिल किए जाने पर सवाल किया है। हाल ही में मीडिया से बात करते हुए उर्वशी रौतेला ने कहा, 'क्या अभिनय का कोई मानक होता है? या फिर ऐसा है कि एक निश्चित उम्र के बाद आपको बस यही मिलेगा?' इसके साथ ही एक्ट्रेस ने सवाल किया, 'यह पेंशन राशि नहीं है जिसे चुपचाप स्वीकार कर लिया जाए। ये फैसले कैसे लिए जाते हैं? किन मानदंडों का पालन किया जाता है?' बता दें, उर्वशी रौतेला को उल्लुझुकु फिल्म के लिए बेस्ट एक्ट्रेस इन ए सपोर्टिंग रोल के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला है। वहीं, इस फिल्म को मलयालम भाषा में बेस्ट फीचर फिल्म के लिए भी राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है। उल्लुझुकु का निर्देशन क्रिस्टो टॉमी ने किया है। इसमें उर्वशी और पार्वती थिरुवोथु अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं इसमें अर्जुन राधाकृष्णन, एलेन्सियर ले लोपेज, प्रशांत मुरली और जया कुरुप जैसे कलाकार भी नजर आएं हैं।

केक, फ्लावर,डॉगी और मम्मी-पापा..अनुष्का ने फुल टशन के साथ मनाया 23वां बर्थडे, ब्लैक ड्रेस में दिखा स्टाइलिश लुक

टीवी इंडस्ट्री की जानी–मानी एक्ट्रेस और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अनुष्का सेन 4 अगस्त को पूरे 23 साल की हो गई है और उन्होंने अपना यह जन्मदिन बड़े ही खास अंदाज में मनाया। इस सेलिब्रेशन की तस्वीरें एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं, जो खूब वायरल हो रही हैं। अनुष्का सेन ने अपने इस स्पेशल डे के लिए ब्लैक शॉर्ट ड्रेस चुनी, जिसे उन्होंने रेड लिपस्टिक, खुले बालों और आत्मविश्वास से भरे पोज के साथ कैरी किया। उनकी हर तस्वीर में एक अलग स्टाइल और ग्रेस नजर आ रही थी। कुछ तस्वीरों में वह ग्रीन केक के साथ दिखाई दीं, तो कुछ में फूलों के बुके के साथ पोज देती दिखीं।

अनुष्का की कई फोटोज में उनके प्यारे डॉगी के साथ भी मस्तीभरे पल कैद हुए। इसके अलावा उन्होंने अपने माता–पिता के साथ भी कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों के साथ अनुष्का ने कोई कैप्शन नहीं लिखा, लेकिन तस्वीरें उनकी खुशी को बखूबी बयां कर रही हैं। फोटोज में अनुष्का का लुक, लोकेशन और एक्सप्रेशन सब कुछ देखने लायक था। काम की बात करें तो अनुष्का सेन ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत महज 7 साल की उम्र में साल 2009 के शो 'यहां मैं घर–घर खेली' से की थी। लेकिन उन्हें असली लोकप्रियता मिली 'बालवीर' में मीरा के किरदार से मिली। इसके बाद उन्होंने 'देवों के देव... महादेव' और 'झांसी की रानी' जैसे पॉपुलर शोज में भी काम किया। 2021 में अनुष्का ने रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 11' में हिस्सा लिया, जिसमें उनके साहस और एनर्जी को काफी सराहा गया।

मिनटों में पाएं ग्लोइंग स्किन, बस शहद में मिलाएं यह एक चीज

खराब जीवनशैली और बढ़ते हुए पॉल्यूशन से त्वचा दिन दिन बेजान हो जाती है और चेहरे की चमक कहीं खो जाती है। स्वस्थ त्वचा के लिए स्किन केयर करना काफी जरुरी है। शहद स्किन के लिए सबसे बेहतर होता है। इसके यूज करने से आप त्वचा को सॉफ्ट और ग्लोइंग बना सकते हैं। शहद चेहरे को ढेरों फायदे हो सकते हैं। आइए जानते हैं शहद का इस्तेमाल कैसे करें।

पोषण तत्वों का भंडार

गौरतलब है कि शहद में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें प्रोटीन, कार्ब्स, फाइबर, कॉपर, सोडियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। आइए शहद से स्किन को होने वाले फायदों के बार में जानते हैं।

दूध में मिलाकर लगाएं

अगर आप शहद में दूध मिलाकर चेहरे पर लगा ले। इसमें लैक्टिक एसिड होता है, जो स्किन के दाग–धब्बों को साफ करता है। यह कॉम्बिनेशन स्किन के लिए नेचुरल क्लींजर का काम करता है। इससे आपकी स्किन एकदम खिली–खिली नजर आएगी।

केले मिलाकर लगाएं

चेहरे पर आप शहद और केला मिलाकर लगा सकते हैं। इसके चमत्कारिक रिजल्ट आपको देखने को मिलेगा। इससे पिंपल्स, झुर्रियां और डार्क स्पॉट्स को दूर करने में मदद मिलती है। इस पैक को चेहरे पर लगाने से त्वचा की रंगत में सुधार होता है।

गुलाब जल के साथ लगाएं

आप शहद और गुलाब जल को मिलाकर भी चेहरे पर लगा सकते हैं। गुलाब जल त्वचा में ठंडक पहुंचाता है। इससे डेड स्किन सेल्स को साफ किया जा सकता है। इसको लगाने से त्वचा से एक्ने, दाग–धब्बे और डार्क स्पॉट्स से छुटकारा मिल सकता है।

दही में मिलाकर लगाएं

शहद को दही के साथ मिक्स करके भी लगा सकते हैं। इससे स्किन के पिंपल्स, झुर्रियों और टैनिंग से छुटकारा मिलेगा। यह मिश्रण चेहरे की ड्राईनेस दूर करता है।

आपके लिवर की सुरक्षा करेंगे ये 5 कुकिंग ऑयल, बस भूलकर भी न करें ये काम

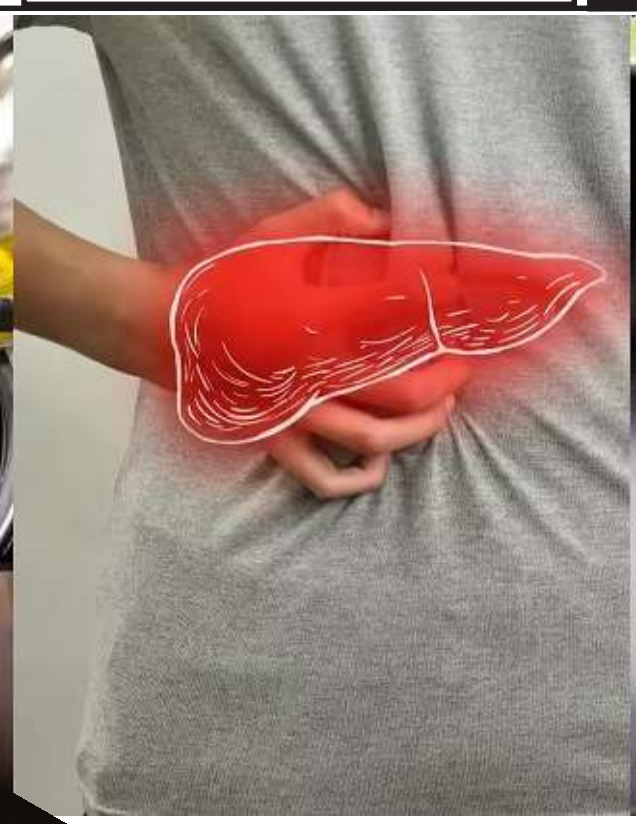

अगर आपको फैटी लिवर है या लिवर की सेहत को बेहतर रखना चाहते हैं, तो खाने में इस्तेमाल होने वाला तेल बहुत अहम भूमिका निभाता है। मानसून के इस मौसम में लिवर की समस्याएं बढ़ जाती हैं, ऐसे में गलत तेल लिवर पर अतिरिक्त बोझ डाल सकता है, जबकि कुछ हेल्दी तेल लिवर को डिटॉक्स करने और सूजन को कम करने में मदद करते हैं। फैटी लिवर के रोगियों के लिए बेस्ट कुकिंग ऑयल।

ऑलिव ऑयल

मोनोसैचुरेटेड फैट से भरपूर यह तेल लिवर में जमा फैट को कम करने में मददगार है। एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर इस तेल को सलाद ड्रेसिंग या कम–तापमान पर खाना बनाने में प्रयोग करें

कोकोनट ऑयल

इसमें मीडियम चेन ट्राइग्लिसराइड्स होते हैं। यह फैट को एनर्जी में बदलने में मदद करता है। इसके इस्तेमल से आप लिवर में फैट को जमा होने से रोक सकते हैं।

फ्लैक्ससीड ऑयल

यह तेल ओमेगा–3 फैटी एसिड का अच्छा स्रोत है, यह लिवर में सूजन कम करता है। ध्यान रखें इसका सीधा पकाने में इस्तेमाल न करें, इसे सलाद या ठंडे व्यंजनों में लें।

एवोकाडो ऑयल

यह दिल और लिवर दोनों के लिए फायदेमंद। हाई स्मोकिंग पॉइंट, यानी इसमें आप खाना भी पका सकते हैं। यह कोलेस्ट्रॉल और लिवर एंजाइम लेवल को बैलेंस करता है

सरसों का तेल (थोड़ी मात्रा में) ओमेगा–3 और ओमेगा–6 से भरपूर यह तेल ब्लड फ्लो बढ़ाता है और लिवर की सफाई में मदद करता है। पर इसे सीमित मात्रा में ही उपयोग करें

इन तेलों से बचना चाहिए

–रिफाइंड तेल

–वनस्पति घी या ट्रांस फैट युक्त तेल

–डीप फ्राइंग में इस्तेमाल होने वाले पुराने तेल

इन बातों का रखें ख्याल

खाना बनाने के लिए तेल का इस्तेमाल सीमित करें। रोजाना 2–3 चम्मच से ज्यादा तेल का सेवन न करें। खाने को उबालकर, भाप में या ग्रिल करके बनाना ज्यादा फायदेमंद होता है। फाइबर युक्त डाइट (जैसे सब्जियां, फल, ओट्स) और अल्कोहल से दूरी लिवर को हेल्दी रखने में मदद करती है।

मुंह की बदबू कर रही हो शर्मिंदा तो जानिए इसका कारण और इलाज भी

मुंह की बदबू, जिसे चिकित्सकीय रूप से हैलिटोसिस कहा जाता है, एक आम समस्या है जो कई कारणों से हो सकती है। मुंह की बदबू एक सामान्य समस्या है, लेकिन इसे सही देखभाल और उपचार से नियंत्रित किया जा सकता है। नियमित मौखिक स्वच्छता बनाए रखना, सही खाद्य पदार्थों का सेवन, और स्वास्थ्य समस्याओं का समय पर इलाज कराना इससे बचने के लिए महत्वपूर्ण है।

मुंह की बदबू के कारण

खराब मौखिक स्वच्छता

–दांतों और जीभ की सही से सफाई न करने से बैक्टीरिया पनप सकते हैं, जो बदबू का कारण बनते हैं।

खाद्य पदार्थ

– प्याज, लहसुन, और मसालेदार भोजन खाने से मुंह में बदबू आ सकती है।

ड्राई माउथ (शुष्क मुंह)

– लार की कमी से मुंह में बैक्टीरिया पनप सकते हैं, जो बदबू पैदा करते हैं। शुष्क मुंह दवाओं, धूम्रपान, या किसी चिकित्सा स्थिति के कारण हो सकता है।

तंबाकू और धूम्रपान

– तंबाकू उत्पादों और धूम्रपान से मुंह में बदबू आ सकती है और मौखिक स्वच्छता खराब हो सकती है।

स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं

– साइनस संक्रमण, गले में संक्रमण, फेफड़ों में संक्रमण, गुर्दे की समस्या, या मधुमेह जैसी स्थितियां बदबू का कारण बन सकती हैं।

डेंटल समस्याएं

– दांतों में सड़न, मसूड़ों की बीमारी, या फंसे हुए खाद्य कण बदबू पैदा कर सकते हैं।

ह की बदबू का इलाज

– दिन में कम से कम दो बार अपने दांतों को ब्रश करें और एक बार फ्लॉस करें।

– जीभ की सफाई करें। नियमित रूप से डेंटिस्ट के पास चेकअप के लिए जाएं।

– पानी अधिक पिएं। शुगर–फ्री गम चबाएं।

– शराब और कैफीन का सेवन सीमित करें।

– प्याज, लहसुन, और मसालेदार भोजन का सेवन सीमित करें।

– तंबाकू उत्पादों का उपयोग बंद करें और धूम्रपान छोड़ें।

– एंटीबैक्टीरियल माउथवॉश का उपयोग करें जो बैक्टीरिया को मारने में मदद करता है।

– अगर आपकी बदबू का कारण किसी स्वास्थ्य समस्या से जुड़ा है, तो डॉक्टर से सलाह लें और उचित इलाज कराएं।

36 कमर होगी 26 की, बस इस जादुई ड्रिंक का सेवन करें, कैसे बनाएं

बढ़ते हुए वजन से सभी लोग परेशान है। एक बार वजन बढ़ जाए इसे कम करना काफी मुश्किल होता है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी जादुई ड्रिक की रेसिपी बताने जा रहे हैं जिसके सेवन से 1 हफ्ते में फर्क दिखेगा। आइए जानते हैं इसे कैसे बनाएं।

एक बार मोटापा बढ़ जाए तो इसे कम करना बेहद मुश्किल होता है। मोटापे की वजह से कई खतरनाक बीमारियां होने लगती है। आजकल की खराब जीवनशैली के चलते लोगों में बढ़ता हुआ वजन आम हो चुका है। अगर आप भी वेट लॉस करना चाहते हैं तो इस मेजिकल ड्रिंक का सेवन करने से आपको 1 हफ्ते में फर्क दिखाई देगा। इस ड्रिंक की रेसिपी फेमस न्यूट्रिशन अनीषा ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

सामग्री

– 10–15 पुदीना के पत्ते

– 4 इलायची

– 1 चम्मच सौंफ

वेट लॉस ड्रिक बनाने का तरीका

– सबसे पहले एक बड़ा बर्तन लें। इसके बाद उसमें 2 कप पानी डालें।

– उस पानी को उबालने के लिए रख दें।

– इसमें आप 10–15 पुदीना के पत्ते डालें। इसके बाद 4 हरी इलायची डाल दें।

– अब इस पानी में 1 चम्मच भर के सौंफ डाल दें। फिर इस मिश्रण को 10–15 मिनट तक उबालें। जब यह ड्रिंक थोड़ी ठंडी हो जाएं इसे छानकर पी लें।

– सबसे बेस्ट तरीका है इसे आप खाली पेट पी सकते हैं। इस ड्रिंक को 1 महीन तक पीने के बाद आपको जबरदस्त फायदा दिखेगा। इसके साथ ही आपको एक्सरसाइज भी जरुर करनी चाहिए।

सावन में हरे रंग की साड़ी या सूट के साथ कैरी करें ये झुमकी डिजाइंस, मिलेगा क्लासी लुक

हर महिला को सजना–संवरना काफी ज्यादा पसंद होता है। खासकर तीज–त्योहार के मौके पर महिलाएं श्रृंगार करने में कोई कमी नहीं छोड़ती हैं। अभी सावन का महीना चल रहा है। ऐसे में अधिकतर महिलाएं और लड़कियां हरे रंग की साड़ी और सूट पहनना पसंद करती हैं। वहीं सूट और साड़ी के साथ एक्सेसरीज कैरी करना बेहद जरूरी होता है। जिससे कि अपने लुक को परफेक्ट बनाया जा सके। इस तरह की सूट या साड़ी के साथ आप कंट्रास्ट या मैचिंग के इयररिंग्स पहन सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको झुमकी के लेटेस्ट डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप हरे सूट या साड़ी के साथ कैरी कर सकती हैं।

कुंदन झुमकी डिजाइन

रॉयल और क्लासी लुक पाने के लिए आप हरे रंग की साड़ी या सूट के साथ कुंदन झुमकी डिजाइन ट्राई कर सकती हैं। यह साड़ी और सूट दोनों के साथ ही काफी अच्छी लगेंगी। वहीं कुंदन झुमकी लाल साड़ी के साथ भी परफेक्ट लगती हैं। मार्केट में आपको कुंदन झुमकी के कई डिजाइंस आसानी से मिल जाएंगे। हालांकि कुंदन वर्क वाले इयररिंग्स थोड़ी कॉस्टली हो सकते हैं, लेकिन यह आपको एलीगेंट लुक देने का काम करेंगी। इसके साथ गले में पहनना अवॉइड करें।

मीनाकारी झुमकी इयररिंग डिजाइन

आपको बता दें कि इस तरह के इयररिंग्स देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगते हैं। आमतौर पर इसमें प्रकृति से जुड़े डिजाइंस होते हैं। ये डिजाइन पत्ती की शेप में है। अगर आप सूट या साड़ी के साथ लाइट वेट वाली झुमकी कैरी करना चाहती हैं, तो आपको मीनाकारी झुमकी जरूर ट्राई करना चाहिए। मार्केट में आपको इस डिजाइन के इयररिंग्स 100–200 रुपए तक में आराम से मिल जाएंगे। इसके साथ आप विंग्ड आईलाइनर, मेसी बन और मिनिमल मेकअप के साथ अपने लुक को पूरा करें।

चांदबाली झुमकी डिजाइन

हरी साड़ी या सूट के साथ आप चांदबाली झुमकी स्टाइल कर सकती हैं। वैसे तो यह हर फेस टाइप पर अच्छे लगते हैं। लेकिन गोल चेहरे पर चांदबाली इयररिंग्स लाजवाब लगेंगे। ऐसे में अगर आप सिंपल झुमकी के साथ एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं, तो आप चांदबाली इयररिंग्स को स्टाइल कर सकती हैं। मार्केट में इससे मिलते–जुलते इयररिंग्स 100–200 रुपए तक में मिल जाएंगे।

संक्षिप्त

आदित्य इन्फोटेक का शेयर अपने निर्गम मूल्य से करीब 53 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध

'सीपी प्लस' ब्रांड के तहत वीडियो सुरक्षा एवं निगरानी उत्पाद प्रदान करने वाली कंपनी आदित्य इन्फोटेक लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 675 रुपये से करीब 53 प्रतिशत उछाल के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का शेयर एनएसई पर निर्गम मूल्य से 50.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,015 रुपये प्रति शेयर पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 52.73 प्रतिशत चढ़कर 1,032 रुपये पर आ गया। बीएसई पर इसने 50.81 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,018 रुपये पर शुरुआत की। बाद में यह 53.34 प्रतिशत चढ़कर 1,035.05 रुपये प्रति शेयर पर आ गया।कंपनी का बाजार मूल्यांकन 12,180.53 करोड़ रुपये रहा। आदित्य इन्फोटेक के 1,300 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के तीसरे एवं अंतिम दिन गत बृहस्पतिवार तक 100.69 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 640–675 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। इससे पहले आदित्य इन्फोटेक ने पिछले सप्ताह बड़े (एंकर) निवेशकों से 582 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए थे।

जगुआर लैंड रोवर के पहले भारतीय सीईओ होंगे पीबी बालाजी

लक्जरी वाहन इकाई जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने पीबी बालाजी को कंपनी का नया मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वह इस पद को संभालने वाले पहले भारतीय होंगे। बालाजी फिलहाल टाटा समूह के समूह मुख्य वित्त अधिकारी हैं। वह नवंबर, 2025 से टाटा समूह की कंपनी जेएलआर के सीईओ का कार्यभार संभालेंगे। बालाजी इस भूमिका में एड्रियन मार्डेल का स्थान लेंगे जिन्होंने कंपनी में 35 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्ति की इच्छा जताई है। जेएलआर के निदेशक मंडल की सोमवार को हुई बैठक में इस नियुक्ति को मंजूरी दी गई। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने बालाजी को जेएलआर के सीईओ की जिम्मेदारी सौंपे जाने पर खुशी जताई। इसके साथ ही उन्होंने मार्डेल का आभार भी जताया। बालाजी के पास वाहन और उपभोक्ता उत्पाद क्षेत्रों में 32 वर्षों का वैश्विक अनुभव है।

सेल ने आईएनएस अजय, आईएनएस निस्तार के लिए की इस्पात आपूर्ति

देश की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने भारतीय नौसेना के आईएनएस अजय और आईएनएस निस्तार के लिए इस्पात की आपूर्ति की है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में यह कहा। आईएनएस 'अजय' को गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) और आईएनएस निस्तार कोहिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) ने पिछले महीने जुलाई में पेश किया था। बयान के अनुसार, इन दोनों जहाजों के लिए इस्पात की समूचीआपूर्ति कंपनी ने की है। इसके साथ कंपनी देश के रक्षा स्वदेशीकरण प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है कंपनी ने बयान में कहा कि आईएनएस अजय के लिए सेल ने 'डीएमआर ग्रेड स्टील प्लेट' की आपूर्ति की है, जो इस उच्च–गुणवत्ता वाले इस्पात पोत की संरचनात्मक मजबूती और 'स्टील्थ' क्षमताओं के लिए महत्वपूर्ण है। आईएनएस निस्तार के लिए विशेष 'ग्रेड प्लेट' की आपूर्ति की। आईएनएस निस्तार भारत का पहला स्वदेशी रूप से तैयार व विनिर्मित गोताखोरी सहायता पोत (डीएसवी) है। इसमें कहा गया गया कि सेल, भारत की नौसैनिक शक्ति को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो राष्ट्रीय रक्षा लक्ष्यों के लिए कंपनी के रणनीतिक सहयोग को दिखाता है। यह 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में सेल की अभिन्न भूमिका को भी रेखांकित करता है।

बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े पीएमएलए मामले में अनिल अंबानी ईडी के समक्ष पेश हुए

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी अपने समूह की कंपनियों द्वारा कथित तौर पर बड़े पैमाने पर बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। 66 वर्षीय अंबानी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए सुबह करीब 11 बजे मध्य दिल्ली स्थित केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय पहुँचे। ईडी द्वारा 24 जुलाई को मुंबई में उनके व्यावसायिक समूह के वरिष्ठ अधिकारियों सहित 50 कंपनियों और 25

व्यक्तियों के 35 परिसरों की तलाशी लेने के बाद उन्हें यह समन भेजा गया है। सूत्रों ने इंडिया टुडे टीवी को बताया कि ईडी की पूछताछ का नेतृत्व एक सहायक निदेशक स्तर के अधिकारी करेंगे, जिनकी निगरानी उप निदेशक और संयुक्त निदेशक करेंगे। यह समन पिछले महीने ईडी द्वारा की गई एक बड़ी कार्रवाई के बाद आया है, जिसके दौरान केंद्रीय एजेंसी ने लगभग 50 कंपनियों और रिलायंस समूह के शीर्ष अधिकारियों सहित 25 लोगों से जुड़े 35 परिसरों की तलाशी ली थी। तीन दिवसीय यह अभियान 24 जुलाई को शुरू हुआ और संदिग्ध वित्तीय अनियमितताओं और बड़े पैमाने पर बैंक ऋणों के दुरुपयोग पर केंद्रित था। अधिकारियों के अनुसार, जाँच अनिल अंबानी के व्यापारिक साम्राज्य की कई कंपनियों, खासकर रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर (आर इन्फ्रा) पर केंद्रित है, जिन पर 17,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा के ऋणों का गबन करने का आरोप है।

इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय बने सिराज, बुमराह की बराबरी की

लंदन। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में दमदार प्रदर्शन किया जिसकी बदौलत भारतीय टीम सीरीज 2–2 से ड्रॉ कराने में सफल रही। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में इस मुकाबले में सिराज ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। उन्होंने पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया और भारत को रोमांचक जीत दिलाने में सफल रहे।

अंतिम दिन जीत के लिए लेने थे चार विकेट

भारत ने अपनी दूसरी पारी में 396 रन बनाए और 373 रन की कुल बढ़त हासिल की और 374 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में इंग्लैंड की दूसरी पारी 367 रन पर समाप्त हुई। जो रूट की 105 रन और हैरी ब्रूक की 111 रन की पारी भी इंग्लैंड को हारने से नहीं बचा सकी। इंग्लैंड को पांचवें दिन जीत के लिए 35 रन की जरूरत थी और भारत को चार विकेट चाहिए थे। सिराज ने आज तीन विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया। सिराज ने पारी में पांच विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को चार विकेट मिले। चाहिए थे। सिराज ने आज तीन विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया। सिराज ने पारी में पांच विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को चार विकेट मिले। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में इस मुकाबले में सिराज ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। उन्होंने पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया और भारत को रोमांचक जीत दिलाने में सफल रहे।

अंतिम दिन जीत के लिए लेने थे चार विकेट

भारत ने अपनी दूसरी पारी में 396 रन बनाए और 373 रन की कुल बढ़त हासिल की और 374 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में इंग्लैंड की दूसरी पारी 367 रन पर समाप्त हुई। जो रूट की 105 रन और हैरी ब्रूक की 111 रन की पारी भी इंग्लैंड को हारने से नहीं बचा सकी। इंग्लैंड को पांचवें दिन जीत के लिए 35 रन की जरूरत थी और भारत को चार विकेट चाहिए थे। सिराज ने आज तीन विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया। सिराज ने पारी में पांच विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को चार विकेट मिले। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में इस मुकाबले में सिराज ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। उन्होंने पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया और भारत को रोमांचक जीत दिलाने में सफल रहे।

भारत अगर सीरीज ड्रॉ कराने में सफल रहा तो इसमें सिराज का योगदान बड़ा था। भारत के स्टार तेज गेंदबाज बुमराह कार्यभार प्रंबध के कारण इस सीरीज में सिर्फ तीन मैच ही खेले। जिन दो मैचों में बुमराह नहीं खेले उसमें सिराज ने अपने दम दिखाया। सिराज ने अपने दमदार प्रदर्शन से कुछ रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। सिराज ने पांच मैचों की इस सीरीज में कुल 23 विकेट लिए जो उनका एक टेस्ट सीरीज में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। सिराज ने इंग्लैंड में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों के मामले में बुमराह की बराबरी कर ली है। बुमराह ने 2021–22 में इंग्लैंड के खिलाफ 23 विकेट लिए थे। इस सूची में तीसरे स्थान पर भुवनेश्वर कुमार हैं जिन्होंने 2014 में इंग्लैंड दौरे पर 19 विकेट चटकाए थे।

इंग्लैंड में सर्वाधिक बार झटके चार या इससे अधिक विकेट

सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा दौरे पर सात बार पारी में चार या इससे अधिक विकेट लिए। भारतीय गेंदबाजों में यह सर्वाधिक बार है जब किसी गेंदबाज ने ऐसा किया है। सिराज ने इस मामले में बुमराह को पीछे छोड़ा। बुमराह ने पांच बार इंग्लैंड में किसी पारी में चार या इससे अधिक विकेट लिए हैं। वहीं, इस सूची में तीसरे स्थान पर ईशांत शर्मा हैं जो चार बार ऐसा कर चुके हैं, जबकि कपिल देव और मोहम्मद शमी ने तीन–तीन बार ऐसा किया है। इतना ही नहीं, सिराज इंग्लैंड में भारत के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में कपिल देव को पीछे छोड़ दिया है। सिराज के इंग्लैंड में 46 विकेट हो गए हैं, जबकि कपिल ने इंग्लैंड में 43 विकेट लिए हैं। सिराज से आगे इस सूची में अब ईशांत शर्मा और बुमराह आगे हैं। बुमराह और ईशांत ने इंग्लैंड में 51 विकेट लिए हैं।

टेस्ट में रनों के लिहाज से भारत की सबसे कम अंतर से जीत, पहली बार विदेशी सीरीज में जीता पांचवां मैच

लंदन। शुभमन गिल की अगुआई वाली भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ उसी की जमीन पर टेस्ट सीरीज में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। भारत ने लंदन के केनिंगटन ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच को जीतकर पांच मैचों की सीरीज 2–2 से बराबर कर दी। भारत ने इंग्लैंड को पांचवें टेस्ट के अंतिम दिन छह रनों से हराया। यह भारत की टेस्ट में सबसे कम अंतर से जीत है।

भारत ने इंग्लैंड के सामने जीत के लिए 374 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में इंग्लिश टीम दूसरी पारी में 367 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड को पांचवें दिन जीत के लिए 35 रन की जरूरत थी और भारत को चार विकेट चाहिए थे। सिराज ने आज तीन विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया। सिराज ने पारी में पांच विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को चार विकेट मिले। आकाश दीप ने एक विकेट लिया। शुभमन गिल की अगुआई में एक युवा टीम का ऐतिहासिक प्रदर्शन है। किसी क्रिकेट पंडित ने भारत को इस दौरे से पहले पसंदीदा नहीं बताया था। हालांकि, गिल की युवा टीम ने सभी आलोचकों का मुंह बंद कर सीरीज को 2–2 से ड्रॉ कराया।

भारत की रोमांचक जीत

भारत ने पहली पारी में 224 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 247 रन पर समाप्त हुई थी और इंग्लिश टीम ने 23 रन की बढ़त हासिल की थी। भारत ने अपनी दूसरी पारी में 396 रन बनाए और 373 रन की कुल बढ़त हासिल की और 374 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में इंग्लैंड की दूसरी पारी 367 रन पर समाप्त हुई। जो रूट की 105 रन और हैरी ब्रूक की 111 रन की पारी भी इंग्लैंड को हारने से नहीं बचा सकी। जैसे ही सिराज ने आखिरी विकेट के रूप में एटकिंसन को यॉर्कर पर क्लीन बोल्ड किया, भारतीय फैंस और खिलाड़ियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सिराज दौड़ पड़े और भारतीय खिलाड़ी उन्हें गले लगाने के लिए दौड़ पड़े।

भारत के लिए यह यादगार जीत है क्योंकि यह पहली बार है जब भारत ने विदेशी धरती पर टेस्ट मैच की सीरीज का पांचवां मुकाबला अपने नाम किया है। भारत ने रोमांचक मुकाबले में जीत के साथ ही कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। भारत की यह टेस्ट में रनों के लिहाज से सबसे कम अंतर से जीत रही। टीम ने इससे पहले 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वानखेड़े टेस्ट 13 रनों से जीता था। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ 1972 में कोलकाता में खेले गए टेस्ट मैच को 28 रन से, जबकि 2018 में एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 31 रनों से जीत हासिल की थी। दूसरी ओर, इंग्लैंड की यह टेस्ट में कम अंतर से यह संयुक्त रूप से तीसरी हार है। इंग्लैंड को टेस्ट में सबसे कम अंतर से हार 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली थी। उस वक्त इंग्लिश टीम को एक रन से हार का सामना करना पड़ा था।

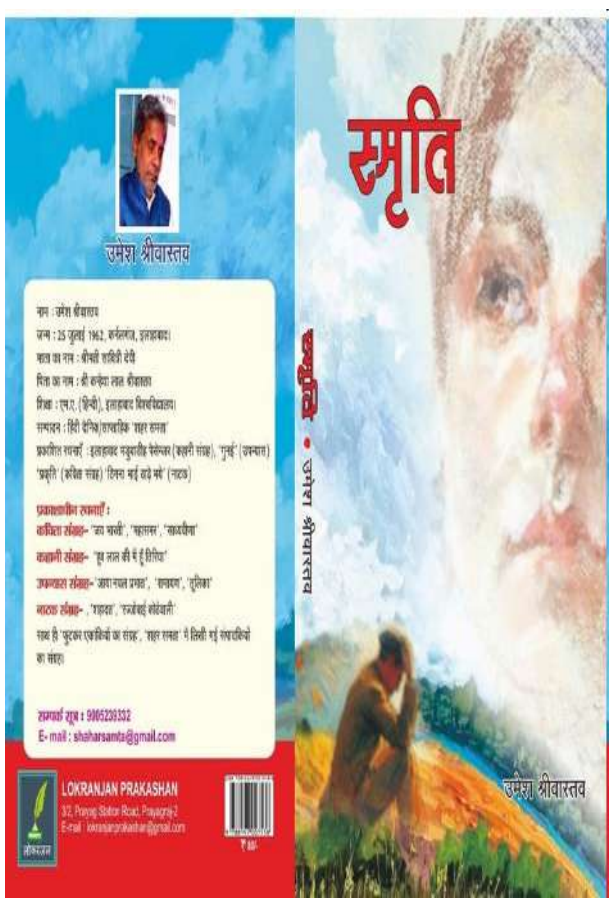

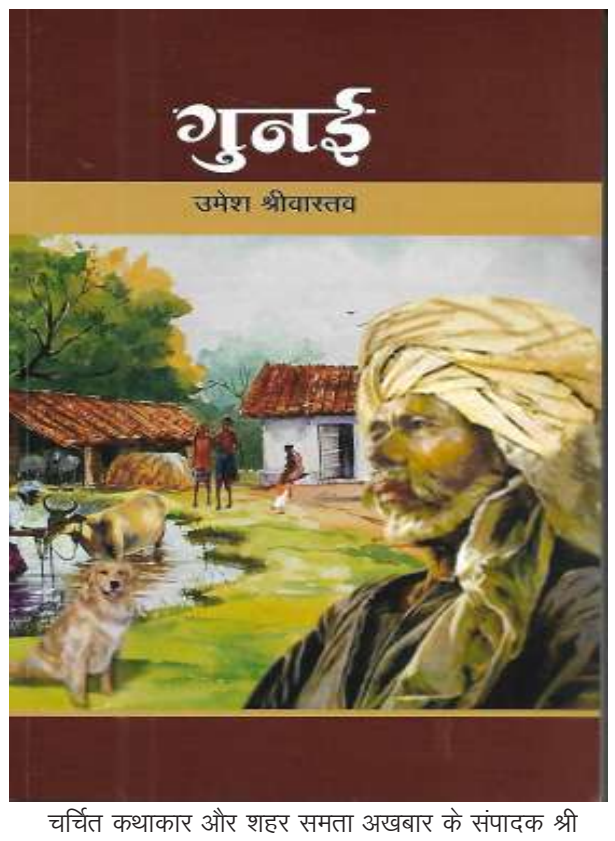

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

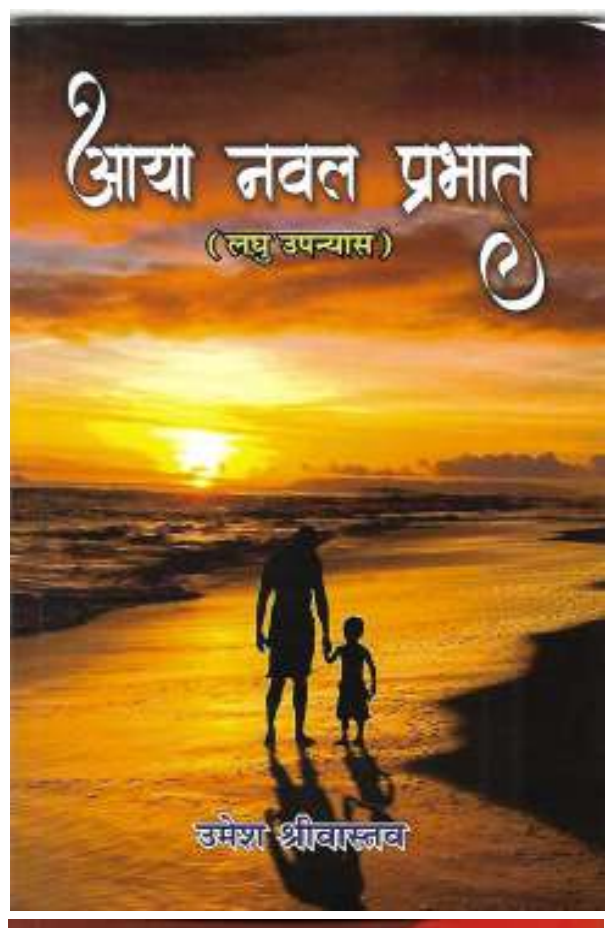

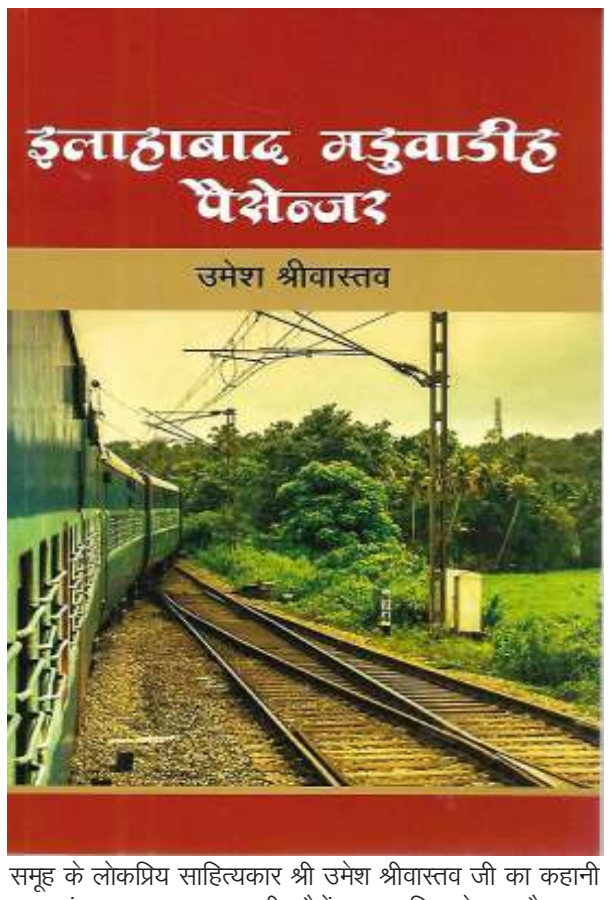

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

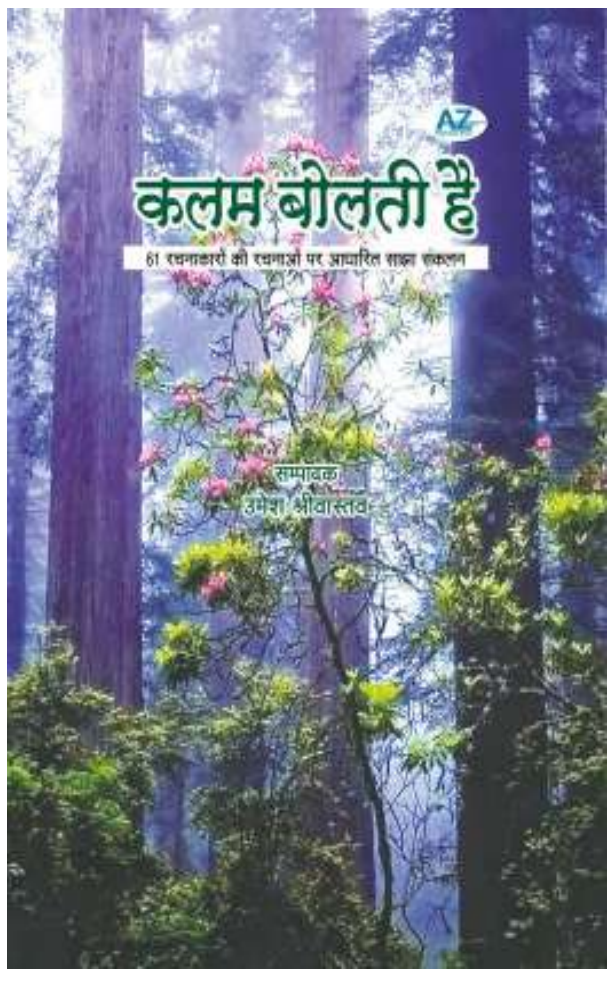

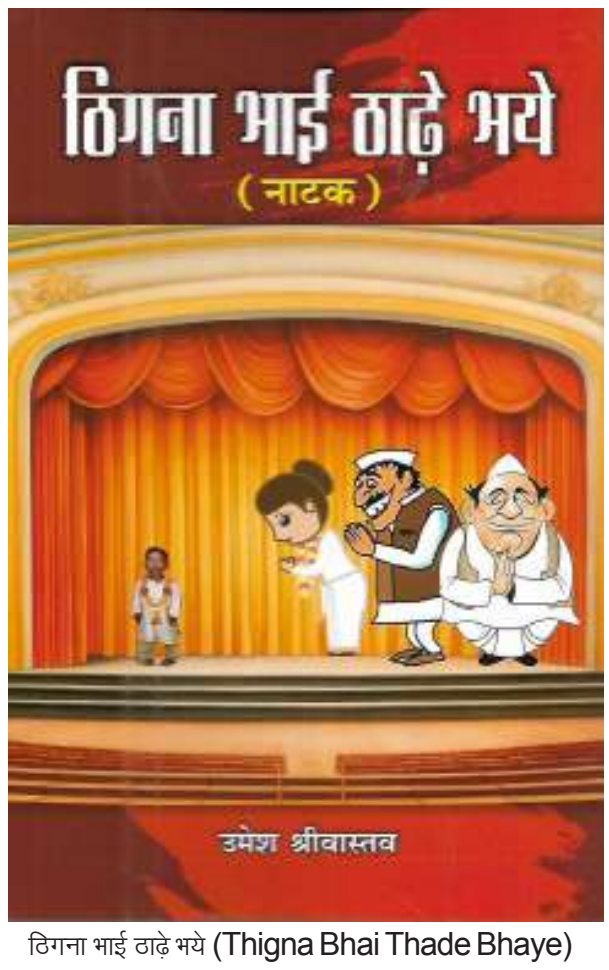

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

डबलिन में भारतीय मूल के टैक्सी चालक पर हमला, वारदात की जांच कर रही पुलिस

डबलिन। आयरलैंड में एक भारतीय मूल के टैक्सी ड्राइवर पर राजधानी डबलिन में हमला किया गया। 23 साल से ज्यादा समय से यहां रह रहे टैक्सी चालक पर बिना किसी उकसावे के हमला किया गया। स्थानीय पुलिस (गार्डाई) ने इस हिंसक हमले की जांच शुरू कर दी है। 40 वर्षीय लखवीर सिंह ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उन्होंने शुक्रवार रात 20 साल के दो युवकों को डबलिन के बैलीमुन उपनगर स्थित पॉपिनट्री में छोड़ा था। गंतव्य पर पहुंचने के बाद उन लोगों ने गाड़ी का दरवाजा खोला और उनके सिर पर बोतल से दो बार वार किए। भागते समय संदिग्धों ने कथित तौर पर चिल्लाते हुए कहारू श्अपने देश वापस जाओ। लखवीर ने श्डबलिन लाइवश को बताया, श्10 साल में मैंने ऐसा कुछ कभी नहीं देखा। मैं अब बहुत डरा हुआ हूं और इस समय मैं काम नहीं कर रहा हूं। वापस जाना बहुत मुश्किल होगा। मेरे बच्चे बहुत डरे हुए हैं। डबलिन पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि लखबीर को शहर के ब्यूमोंट अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी चोटों पर मरहम–पट्टी की गई और जख्म को जानलेवा नहीं माना गया। गार्डाई हमले की जांच कर रहे हैं। हमला शुक्रवार, 1 अगस्त 2025 को रात लगभग 11:45 बजे पॉपिनट्री, बैलीमुन, डबलिन 11 में हुआ था। घटना शुक्रवार को जारी भारतीय दूतावास की एक एडवाइजरी के बाद हुई, जिसमें राजधानी डबलिन और उसके आसपास हुए हालिया हमलों के बाद सुरक्षा संबंधी चिंताएं व्यक्त की गईं और भारतीय नागरिकों से सुरक्षा संबंधी सावधानियां बरतने का आग्रह किया गया। इसमें कहा गया कि हाल ही में आयरलैंड में भारतीय नागरिकों पर शारीरिक हमलों की घटनाओं में वृद्धि हुई है। दूतावास इस संबंध में आयरलैंड के संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है। साथ ही आयरलैंड में सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए उचित सावधानी बरतें और सुनसान इलाकों में जाने से बचें। बयान में आपातकालीन दूतावास के संपर्क विवरण 0899423734 और cons-dublin@mea.gov.in दिए गए हैं। यह बयान 19 जुलाई को डबलिन के टैलाघ्ट उपनगर के पार्कहिल रोड पर एक 40 वर्षीय भारतीय व्यक्ति पर हुए क्रूर हमले के बाद आया था, जिसे स्थानीय लोगों नस्लवादी हिंसा करार दिया था। गार्डाई ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आयरलैंड में भारतीय राजदूत अखिलेश मिश्रा उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने सोशल मीडिया पर इस हमले पर दुख व्यक्त किया। घटना के कुछ दिनों बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दूतावास ने कहा, डबलिन के टैलाट में एक भारतीय नागरिक पर हुए हालिया शारीरिक हमले के संबंध में दूतावास पीड़ित और उसके परिवार के संपर्क में है। सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। दूतावास इस संबंध में संबंधित आयरिश अधिकारियों के संपर्क में भी है।

मध्य मेक्सिको में बरामद हुए गुप्त रूप से दफनाए गए 32 शव, इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हो रही हिंसा

मेक्सिको सिटी। मध्य मेक्सिको के गुआनाजुआतो राज्य के अधिकारियों ने बताया कि इरापुआतो इलाके में एक सरकारी जमीन से 32 शव बरामद किए गए हैं। इन शवों को गुप्त तरीके से दफनाया गया था। बरामद किए गए शवों में से आधों की पहचान हो चुकी है। बाकी शवों की पहचान की कोशिश की जा रही है। जिस इलाके में कब्रें मिली हैं, वह इलाका लंबे समय से हिंसा की चपेट में है। गुआनाजुआतो राज्य अभियोजक कार्यालय ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में बताया कि ये शव मेक्सिको सिटी से लगभग 320 किलोमीटर उत्तर–पश्चिम में, इरापुआतो में ला कैलेरा समुदाय की संपत्ति पर गुप्त कब्रों में पाए गए। अभियोजकों ने बताया कि फोरेंसिक टीमें 30 जुलाई से घटनास्थल पर काम कर रही थीं। अधिकारी शेष शवों की पहचान करने में जुटे हैं। इरापुआतो में करीब दो महीने पहले एक पार्टी में सामूहिक गोलीबारी की घटना हुई थी। जिसमें 12 लोगों की मौत की हुई थी। उस घटना के बाद अब यहां शवों के मिलने को सामूहिक गोलीबारी की घटना से जोड़कर देखा जा रहा है। गुआनाजुआतो राज्य में हाल के वर्षों में लगातार हिंसा देखी गई है। यहां शक्तिशाली जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल का स्थानीय सांता रोजा डे लीमा संगठित अपराध समूह के साथ लड़ाई चल रही है। जनवरी से जुलाई तक राज्य में 1,500 से ज़्यादा हत्याएँ दर्ज की गईं। संगठित अपराध समूह अक्सर अपने समूह से जुड़े लोगों को उनकी मौत के बाद गुप्त कब्रों में दफना देते हैं। मेक्सिको सरकार के अनुसार, देश में लापता लोगों की वर्तमान संख्या लगभग 1,32,000 है।

परमाणु हथियारों का अंत ही शांति का रास्ता, विनाश से बचे जापानी बुजुर्गों का छलका दर्द

हिरोशिमा । हिरोशिमा और नागासाकी पर हुए परमाणु हमलों को आज लगभग 80 साल हो चुके हैं, लेकिन इन त्रासदियों से बचे कुछ बुजुर्ग आज भी जिंदा हैं– और अब वे खुलकर बोल रहे हैं। इन लोगों को डर है कि दुनिया एक बार फिर परमाणु खतरे की ओर बढ़ रही है, और नेता इन हथियारों को स्वीकार करने लगे हैं।

1945 की वो भयानक सुबह

6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर पहला परमाणु बम गिराया था। तीन दिन बाद 9 अगस्त को नागासाकी पर दूसरा बम गिराया गया। साल के अंत तक इन बमबारी में करीब 2 लाख लोग मारे गए थे। हजारों लोग बच तो गए, लेकिन रेडिएशन की वजह से जीवन भर बीमारियों से जूझते रहे।

कुनिहिको ईदा : 60 साल बाद बोलने की हिम्मत जुटाई

83 वर्षीय कुनिहिको ईदा, जब बम गिरा, तब वे केवल 3 साल के थे। वह अपनी मां के मायके वाले घर में थे, जो धमाके के केंद्र से सिर्फ 900 मीटर दूर था। विस्फोट इतना जोरदार था कि उन्हें लगा जैसे कोई इमारत उन पर गिर गई हो। उनके पूरे शरीर में कांच के टुकड़े चुभ गए थे। वे चिल्लाना चाहते थे – 'मां, बचाओ!', लेकिन आवाज ही नहीं निकल रही थी। उनके दादा ने उन्हें मलबे से बाहर निकाला। एक महीने के भीतर उनकी मां और बहन की मौत हो गई। उन्हें भी स्कूल के दिनों तक रेडिएशन की वजह से कई स्वास्थ्य समस्याएं रहीं। ईदा ने 60 साल बाद पहली बार हिरोशिमा के शांति पार्क का दौरा किया, जब उनकी बूढ़ी मौसी ने साथ चलने की गुजारिश की। फिर उन्होंने फैसला किया कि वे अपनी कहानी दुनिया को बताएंगे, लेकिन ऐसा कर पाना आसान नहीं था। शुरू में वे बोलते समय भावनाओं में बह जाते थे। उन्हें मंच पर बोलने में कई साल लग गए।

अमेरिका की टैरिफ धमकियों के बावजूद रूस से तेल व्यापार जारी रखेगा भारत

हाल के महीनों में, तेल व्यापार से जुड़ी भू–राजनीतिक स्थिति विशेष रूप से उतार–चढ़ाव भरी रही है, खासकर भारत के रूस से तेल आयात जारी रखने को लेकर, जब कि अमेरिका द्वारा शुल्क लगाने की धमकी स्पष्ट रूप से सामने आ रही है। जैसे–जैसे दुनिया जटिल प्रतिबंध व्यवस्थाओं और आर्थिक दबावों से जूझ रही है, भारत की कूटनीतिक और आर्थिक रणनीतियों पर गहरे विचार की आवश्यकता है। भारत, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है, ने ऐतिहासिक रूप से अपनी बढ़ती अर्थव्यवस्था को संचालित करने के लिए कच्चे तेल की विविध आपूर्ति पर निर्भरता रखी है। हालांकि, यूक्रेन में जारी संघर्ष ने तेल व्यापार की गतिशीलता में महत्वपूर्ण बदलाव किया है, जिसमें पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं और अपने सहयोगियों से रूस के ऊर्जा संसाधनों पर निर्भरता कम करने का आग्रह किया है। इन दबावों के बावजूद, भारत वैश्विक तेल बाजार में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभरा है, जो रूस से अपने तेल की खरीदारी जारी रखता है, जो प्रतिस्पर्धी कीमतों और अनुकूल शर्तों की पेशकश करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका, इन घटनाओं को चिंतित होकर देख रहा है, भारत को रूस से तेल आयात पर शुल्क लगाने की चेतावनी दे चुका है। यह शुल्क अमेरिकी रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य उन देशों को व्यापार से हतोत्साहित करना है, जो रूस के खिलाफ लगाए गए प्रतिबंधों की प्रभावशीलता को कमजोर कर सकते हैं। हालांकि, भारत की प्रतिक्रिया रणनीतिक और गणनात्मक रही है। भारत द्वारा रूस के साथ व्यापार जारी रखने का एक कारण इसके राष्ट्रीय हितों में निहित है। एक विकासशील देश के रूप में, जिसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को बनाए रखने के लिए स्थिर और सस्ते ऊर्जा स्रोतों की आवश्यकता है, भारत के लिए पश्चिम द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों ने रूस से तेल खरीदने का एक अनूठा अवसर पैदा किया है, जिससे उसकी ऊर्जा सुरक्षा में वृद्धि हो रही है, बिना अधिक लागत उठाए। इसके अलावा, भारत और रूस के बीच का संबंध ऐतिहासिक रूप से रक्षा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में गहरा है। दोनों देशों ने लंबे समय तक जटिल भू–राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में एक साथ काम किया है, और वर्तमान स्थिति भी इससे अलग नहीं है। भारत का रूस से तेल आयात बनाए रखने का निर्णय उसकी संप्रभुता का एक प्रतीक और एक स्वतंत्र विदेश नीति की स्थिति के रूप में देखा जा सकता है, जो बाहरी दबावों के मुकाबले अपने आर्थिक लाभ को प्राथमिकता देती है। अंततः, भारत की अमेरिकी शुल्क धमकी के प्रति प्रतिक्रिया विभिन्न देशों के बीच एक व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाती है, जो पश्चिमी शक्तियों द्वारा लगाए गए एकतरफा प्रतिबंधों का पालन करने के लिए तैयार नहीं हैं। जैसे–जैसे देश अपने ऊर्जा स्रोतों को विविधीकृत करने और पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहे हैं, रूस के साथ व्यापार करना उनके ऊर्जा रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। जहां तक अमेरिका रूस के खिलाफ एकजुट मोर्चे की वकालत करता है, वहीं भारत की अपनी आर्थिक स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता सर्वोपरि बनी हुई है। रूस से तेल व्यापार वर्तमान में वैश्विक व्यापार संबंधों की जटिलताओं और बहु–ध्रुवीय दुनिया में प्रतिबंध लगाने की चुनौतियों को उजागर करता है। जैसे–जैसे यह स्थिति विकसित हो रही है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इन गतिशीलताओं का अंतरराष्ट्रीय रिश्तों और ऊर्जा बाजारों पर क्या प्रभाव पड़ेगा। भारत का रूस से तेल व्यापार जारी रखने का रुख और अमेरिका की शुल्क धमकियों के बावजूद उसके राष्ट्रीय हितों और रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति प्रतिबद्धता वैश्विक ऊर्जा राजनीति में महत्वपूर्ण बिंदु बनी हुई है। जैसे–जैसे भू–राजनीतिक परिप्रेक्ष्य बदल रहे हैं, भारत के तेल व्यापार की प्रथाएँ वैश्विक ऊर्जा राजनीति में चर्चा का मुख्य विषय बनी रहेंगी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

भारत के खिलाफ कौन सी गंदी साजिश रच रहे थे ट्रंप, अचानक एक अमेरिकी ने आकर खोल दी पूरी पोल–पट्टी

अमेरिका भारत को कभी आगे बढ़ता हुआ नहीं देखना चाहता। अमेरिका भारत के साथ कभी ट्रेड डील नहीं करेगा। ये बात खुद अमेरिका से ही उठी है और एक अमेरिकी अर्थशास्त्री ने ट्रंप के प्लान की पूरी पोल पट्टी दुनिया के सामने खोल कर रख दी है। उन्होंने ट्रंप के गंदे प्लान का भी खुलासा किया है और कहा है कि उनका मकसद भारत को कमजोर करना है। भारत–अमेरिका व्यापार संबंधों पर अपने विचार साझा करते हुए अमेरिकी अर्थशास्त्री जेफरी सैक्स ने दोनों देशों के बीच किसी सफल समझौते की संभावना पर गहरी शंका व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यदि भारत संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ कोई व्यापार समझौता करने में सफल हो जाता है तो उन्हें बहुत आश्चर्य होगा, क्योंकि अमेरिकी सरकार को भारत की प्रगति में कोई वास्तविक रुचि नहीं है और उसका उद्देश्य देश को कमजोर बनाए रखना है। अगर भारत अमेरिका के साथ कोई समझौता करने में कामयाब हो जाता है, तो मुझे बेहद हैरानी होगी। इस सरकार (राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की) को भारत की भलाई की कोई परवाह नहीं है। अगस्त में संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया। वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच संबंध एक ऐसे दौर में पहुँच गए हैं जिसकी बहुत कम लोगों ने कल्पना की थी, लेकिन सैक्स ने इसे आते हुए देखा था। कभी कुछ लोगों द्वारा अतिशयोक्तिपूर्ण बताकर खारिज की गई उनकी चेतावनी अब आज की सुर्खियों से अजीब तरह से मिलती–जुलती लगती है। ट्रंप प्रशासन ने अपने रुख, प्रतिबंधों, रूस के साथ भारत के तेल व्यापार की आलोचना करने वाली सार्वजनिक टिप्पणियों और भारत–पाकिस्तान गतिरोध पर बार–बार दबाव बनाने को कोई रहस्य नहीं बनाया है। विशेषज्ञों के अनुसार, ये कदम भारत की स्वायत्तता को कम करते हैं और संप्रभु कूटनीति के ढांचे को चुनौती देते हैं। 2014 में नरेंद्र मोदी ने सत्ता संभाली तो उसके बाद से भारत के संबंध अमेरिका से दिनों दिन बेहतर होते चले गए। व्यापार भी ठीक ठाक बढ़ता गया। भारत ने रूस से अपनी दोस्ती पर कोई आंच नहीं आने दी। ये बात भले ही अमेरिका को पसंद न आई हो लेकिन इसका असर भारत अमेरिका संबंधों पर नहीं पड़ा। हालांकि पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित हमला हुआ और 26 बेगुनाहों का खून बहाया तो उसके बाद भारत ने उसका जवाब ऑपरेश सिंदूर के जरिए दिया। इसके बाद से ही पाकिस्तान को अमेरिका की तरफ से ज्यादा तवज्यों मिलने लगी। आसिम मुनीर को लंप पर ट्रंप की तरफ से बुलाया गया। इसके बाद ट्रंप लगातार ये कहते रहे कि सीफायर मैंने करवाया। 30 बार ट्रंप ये कह चुके हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर मैंने करवाया।

ये बात भारत को पसंद नहीं आई और फिर पीएम मोदी ने सदन में कहा कि दुनिया के किसी भी देश ने हमें रोका नहीं। हालांकि ट्रंप मानने वाले नहीं उसके बाद फिर उन्होंने कह दिया कि सीजफायर मैंने करवाया। ये बात समझ में आ गई कि ट्रंप बार बार ये बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि भारत के साथ ट्रेड डील कर सके। लेकिन अब अमेरिकी अर्थशास्त्री ने कह दिया है कि ट्रंप भारत के साथ कभी ट्रेड डील करेंगे ही नहीं। ट्रंप भारत को कमजोर करना चाहते हैं। अभी बीती रात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह भारत की ओर से अमेरिका को दिए जाने वाले टैरिफ में उल्लेखनीय वृद्धि करेंगे। उन्होंने भारत द्वारा रूसी तेल की निरंतर खरीद और वैश्विक बाजार में लाभ पर इसे कथित रूप से फिर से बेचने का हवाला दिया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।